



इकाई- 4

Unit - 4

सामाजिक न्याय और
हाशिये की आवाजें

Social Justice and the
Marginalised

अध्याय- 5

हाशियाकरण की समझ

Understanding Marginalisation

CLASS

VIIIth

(Polity)

NCERT

Based

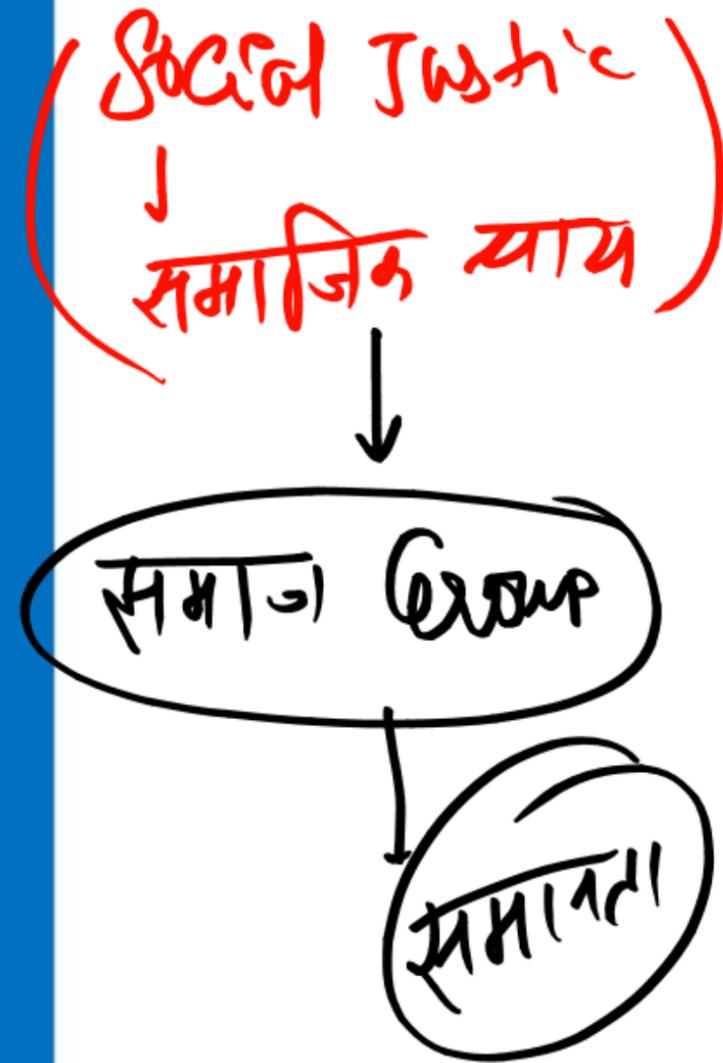


By : Karan Sir

इकाई - 4

अध्याय- 5

हाशियाकरण की समझ



सामाजिक रूप से हाशिये पर होने का क्या मतलब होता है?

आप कॉपियों के जिन पन्नों पर लिखते हैं उनकी बाईं ओर खाली जगह होती है जहाँ आमतौर पर लिखा नहीं जाता है। उसे पन्ने का हाशिया कहा जाता है। कुछ ऐसा ही समाज में भी होता है। हाशियाई का मतलब होता है कि जिसे किनारे या हाशिये पर ढकेल दिया गया हो **ऐसे में वह व्यक्ति चीजों के केंद्र में नहीं रहता। यह एक ऐसी चीज़ है जिसको आपने अपनी कक्षा या खेल के मैदान में भी कभी न कभी महसूस किया होगा।**

What Does it Mean to be Socially Marginalised?

To be marginalised is to be forced to occupy the sides or fringes and thus not be at the centre of things. This is something that some of you have probably experienced in the classroom or playground. **If you are not like most people in your class, that is, if your taste in music or films is different, if your accent marks you out from others, if you are**

अगर आप अपनी कक्षा के ज्यादातर बच्चों जैसे नहीं हैं यानी अगर संगीत या फ़िल्मों में आपकी रुचि अलग तरह की है, अगर आपका बोलने का ढंग औरों से अलग है, अगर आप औरों की तरह गपशप में ज्यादा मज़ा नहीं लेते, अगर आप वह खेल नहीं खेलते जो ज्यादातर बच्चे खेलना चाहते हैं, अगर आपका पहनावा अलग तरह का है तो इस बात की गुंजाइश बढ़ जाएगी कि आपके संगी-साथी आपको 'अपने बीच का/की' नहीं मानेंगे। इस तरह आप अक्सर यह महसूस करते हैं कि आप 'औरों से अलग' हैं, गोया आपकी कही बात, आपके अहसास, आपकी सोच और आपका व्यवहार सही नहीं है या औरों को पसंद नहीं है।

less chatty than others in your class, if you don't play the same sport that many of your classmates like, if you dress differently, the chances are that you will not be considered to be 'in' by your peers. So, often, you end up feeling that you are 'not with it' – as if what you say, feel and think and how you act are not quite right or acceptable to others.

कक्षा की तरह समाज में भी ऐसे समूह या समुदाय हो सकते हैं जिन्हें इस तरह की बेदखली का अहसास रहता है। उनके हाशियाकरण की वजह यह हो सकती है कि वे एक अलग भाषा बोलते हैं, अलग रीति-रिवाज अपनाते हैं या बहुसंख्यक समुदाय के मुकाबले किसी दूसरे धर्म के हैं। वे अपनी गरीबी के कारण, सामाजिक हैसियत में 'कमतर' माने जाने की वजह से और शोष लोगों के मुकाबले कमतर मनुष्य के रूप में देखे जाने की वजह से खुद को हाशिये पर महसूस करते हैं। कई बार हाशियाई समूहों को लोग दुश्मनी और डर के भाव से

As in the classroom, in the social environment too, groups of people or communities may have the experience of being excluded. Their marginalisation can be because they speak a different language, follow different customs or belong to a different religious group from the majority community. They may also feel marginalised because they are poor, considered to be of 'low' social status and viewed as being less human than others. Sometimes, marginalised groups are viewed with hostility and fear. This sense

भी देखते हैं। फ़ासले और अलग-थलग किए जाने का यह अहसास समुदायों को संसाधनों और मौकों का फ़ायदा उठाने से रोक देता है। फलस्वरूप हाशियाई समुदाय अपने अधिकारों के लिए आवाज़ उठाने में चूक जाते हैं। उन्हें समाज के ऐसे ताकतवर और वर्चस्वशाली तबकों के मुकाबले शक्तिहीनता और पराजय का अहसास रहता है जिनके पास ज़मीन है, धन-दौलत है, जो ज़्यादा पढ़े-लिखे और राजनीतिक रूप से ज़्यादा ताकतवर हैं। इसका मतलब यह है कि हाशियाकरण किसी एक ही दायरे में महसूस नहीं होता। आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक सभी दायरे समाज के कुछ तबकों को हाशियाई महसूस करने के लिए विवश करते हैं।

इस अध्याय में आप दो ऐसे समुदायों के बारे में पढ़ेंगे जिन्हें आज भारत में सामाजिक रूप से हाशिये पर माना जाता है।

of difference and exclusion leads to communities not having access to resources and opportunities and in their inability to assert their rights. They experience a sense of disadvantage and powerlessness vis-a-vis more powerful and dominant sections of society who own land, are wealthy, better educated and politically powerful. Thus, marginalisation is seldom experienced in one sphere. Economic, social, cultural and political factors work together to make certain groups in society feel marginalised.

In this chapter, you will read about two communities that are considered to be socially marginalised in India today.

~~आदिवासी और हाशियाकरण~~

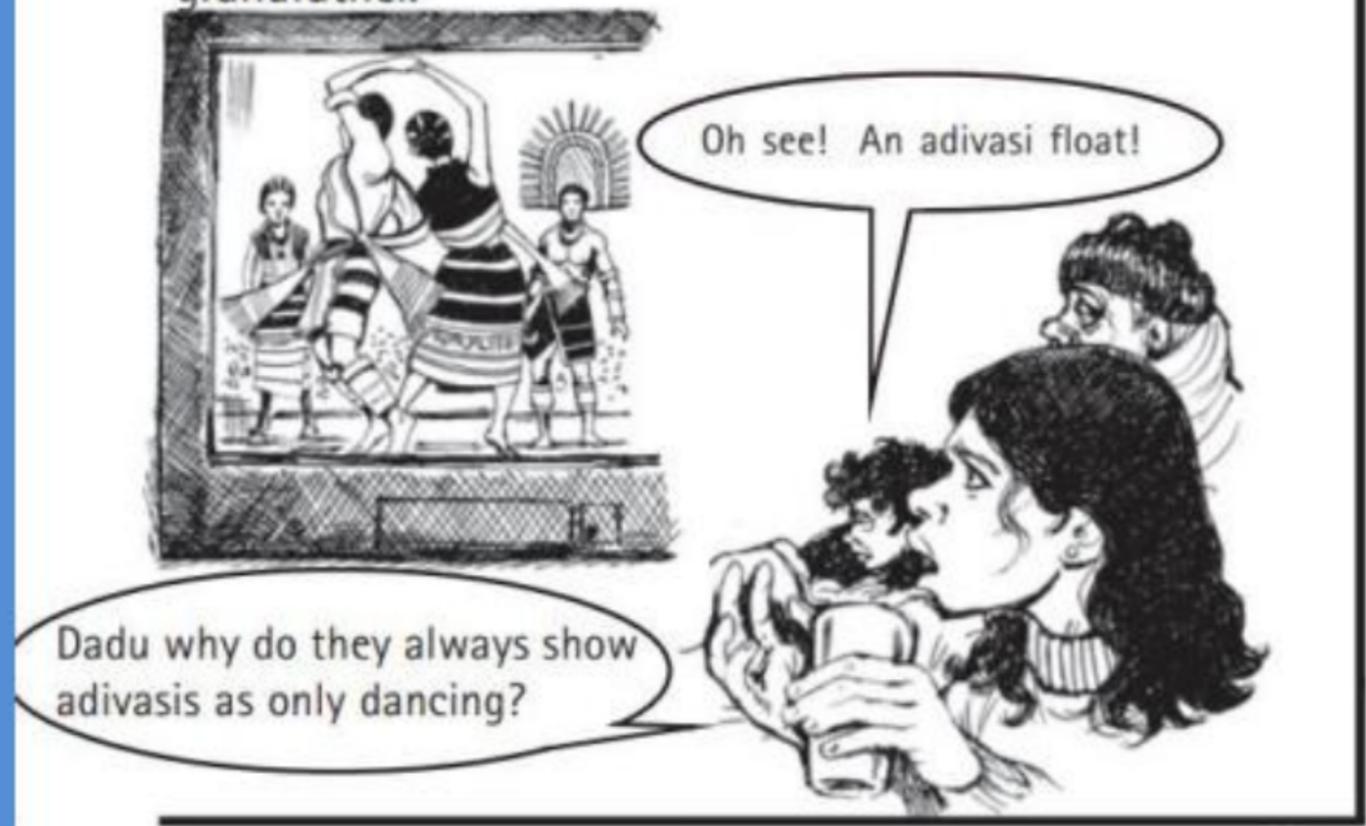
~~दिल्ली में एक आदिवासी परिवार~~

सोमा और हेलेन दादाजी के साथ बैठकर टेलीविजन पर गणतंत्र दिवस की परेड देख रही हैं



Adivasis and Marginalisation

An Adivasi Family in Delhi Soma and Helen are watching the Republic Day parade on TV with their grandfather.





जब मैं तुम्हारी उम्र का था तो उड़ीसा में हमारा गाँव बहुत खूबसूरत हुआ करता था। हमें अपनी जरूरत की सारी चीजें अपनी ज़मीन और जंगलों से मिल जाती थीं। हम भी अपनी धरती, जंगलों और नदियों की बहुत कदर करते थे।



When I was young, our village in Odisha was beautiful. We got everything we needed from the land and the forests around us. We in turn respected the land, the forest, the river.

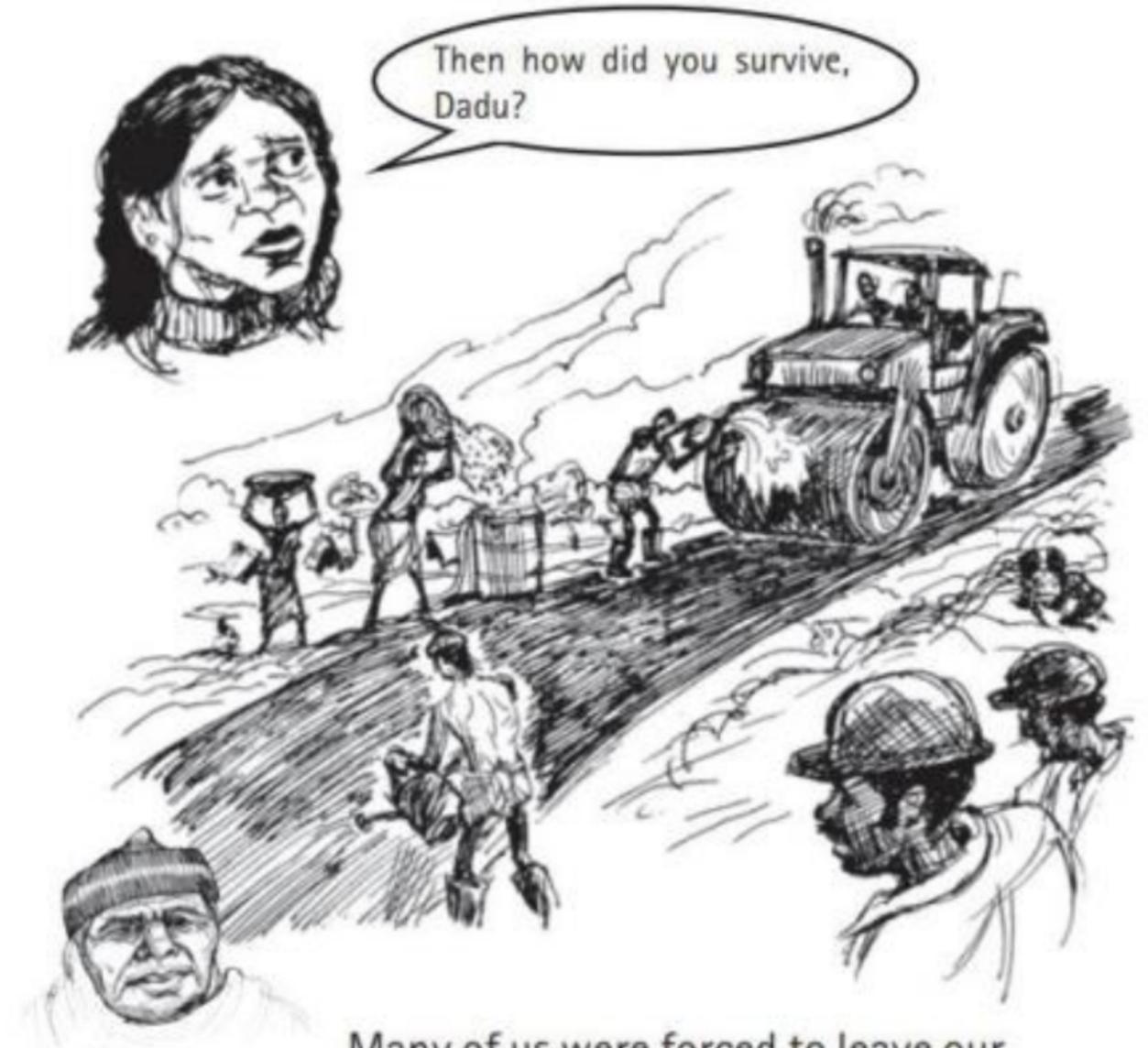


तभी अचानक हमें बताया गया कि ये जंगल हमारे नहीं हैं। वन विभाग के अफसरों और ठेकेदारों ने बहुत सारा जंगल साफ़ कर डाला। अगर हम जंगलों को बचाते तो वे हमारी पिटाई करते थे। हमें अदालत में घसीटा जाता था। वहाँ न तो हमें वकील मिलता था और न हम अपना मुकदमा खुद लड़ सकते थे।



Suddenly we were told that the forest was not ours. Forest officials and contractors cut down large parts of it. If we protested they beat us and then took us to court, where we did not have our lawyers and could not fight our cases.



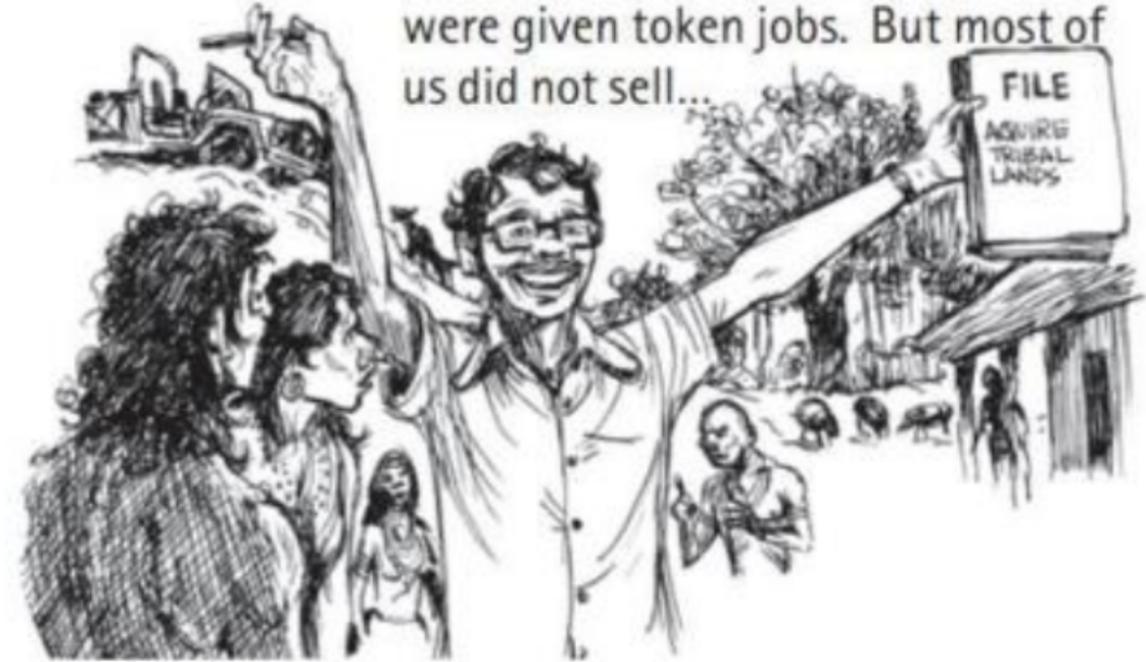




फिर अफ़सर आए। उन्होंने कहा कि हमारी ज़मीन के नीचे लोहे के भंडार हैं। वे उसे निकालना चाहते थे। उन्होंने बड़े-बड़े वादे किए। कहते थे कि अगर हम अपनी ज़मीन उन्हें बेच दें तो वे हमें नौकरी व पैसा देंगे। कुछ गाँव वाले बहुत खुश हुए। कुछ को लगता था कि इससे हमारी ज़िंदगी तबाह हो जाएगी। कुछ ने तो कागज़ों पर अँगूठे के निशान भी लगा दिए। उन्हें पता ही नहीं था कि अँगूठे का निशान लगाकर वे अपनी ज़मीन बेच रहे हैं। मुट्ठी भर लोगों को उन्होंने छोटी-मोटी नौकरी पर रख लिया। लेकिन ज्यादातर लोगों ने अपनी ज़मीनें नहीं बेचीं।

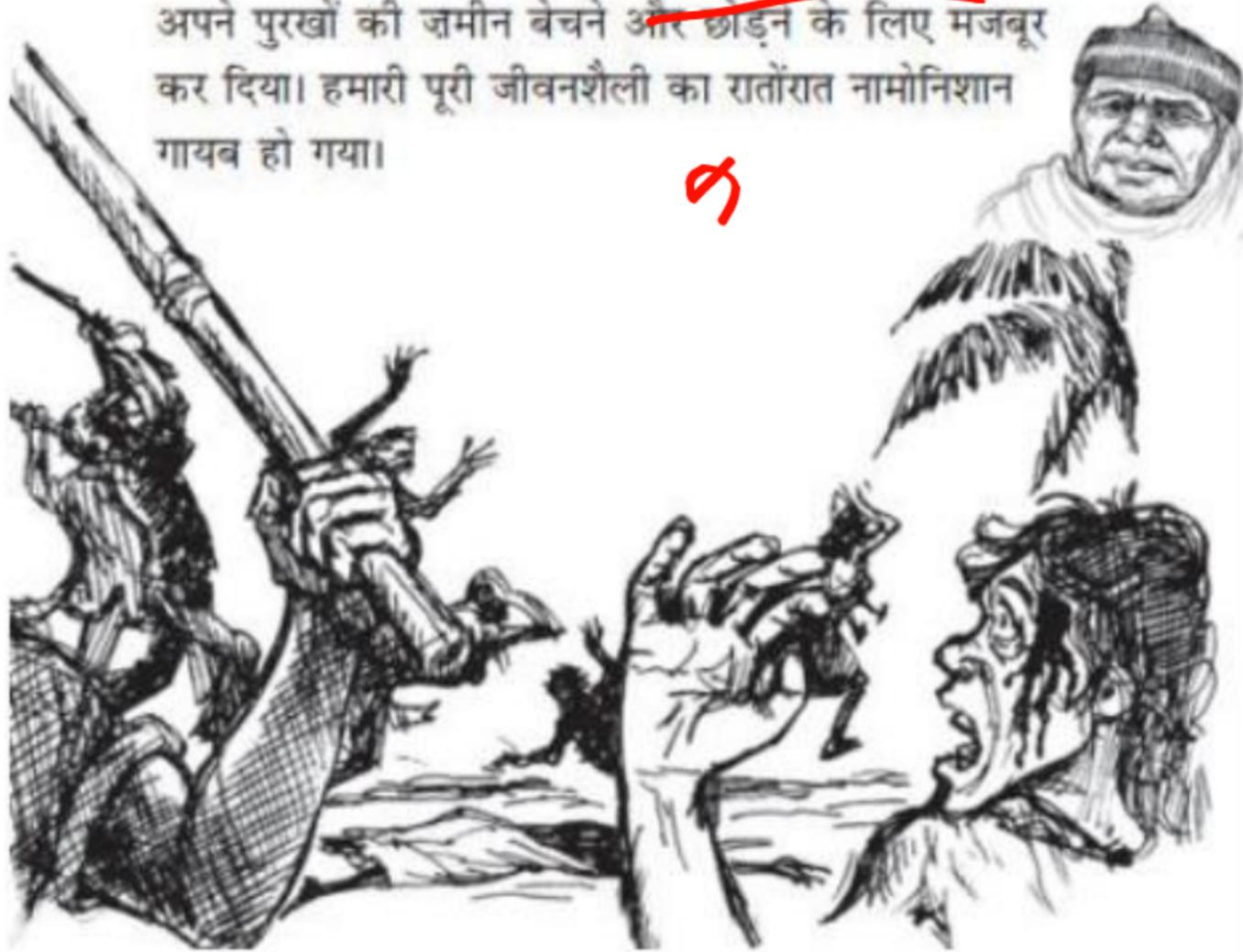


Then the companywallahs came. They said there was iron ore under our land, they wanted to mine it. They promised jobs and money, if we sold our land to them. Some villagers were excited. Others said this would destroy our lives and we would get nothing. Some gave thumbprints, not realising they were selling their lands off. Only a few were given token jobs. But most of us did not sell...

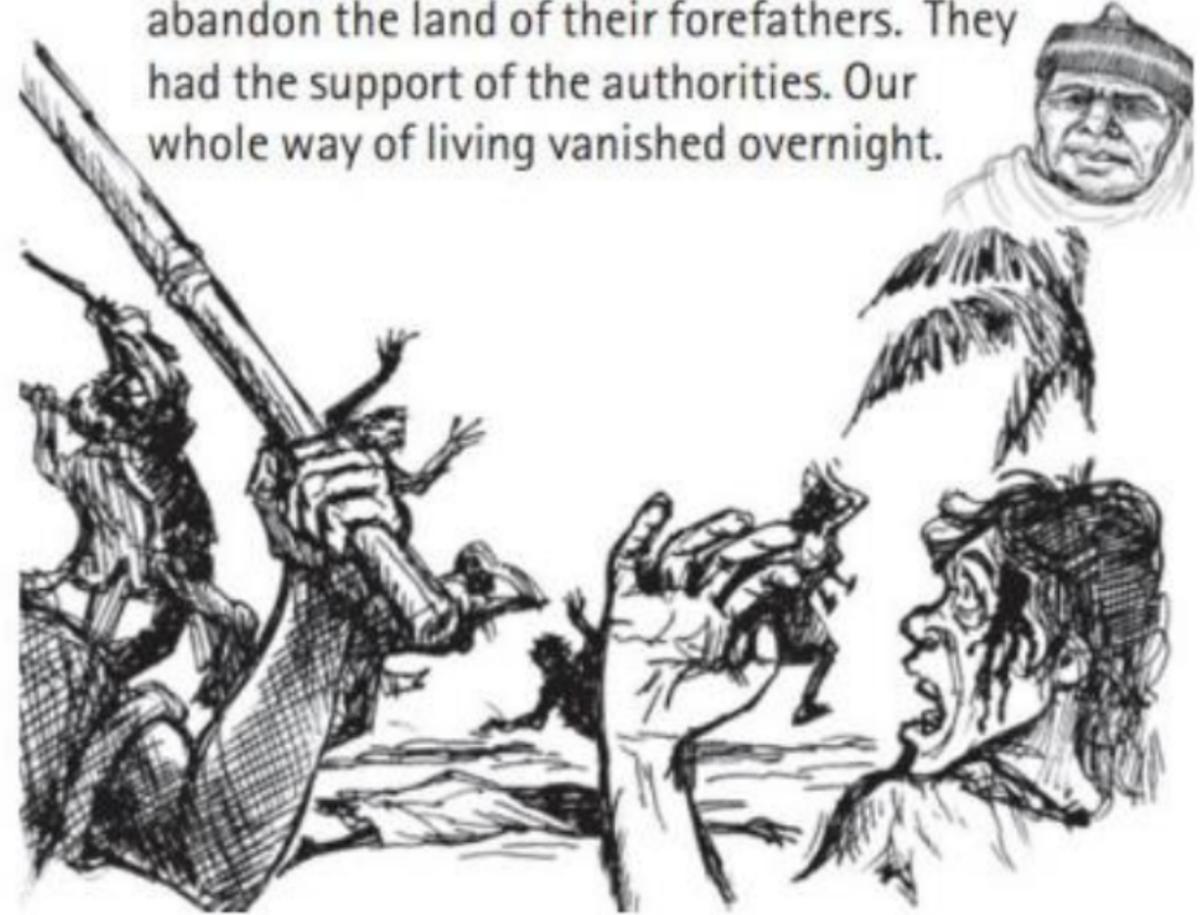


तब उन्होंने हमारे साथ मार-पीट शुरू कर दी। वे हमें तरह-तरह से धमकाने लगे। आखिरकार उन्होंने सबको अपने पुरखों की ज़मीन बेचने और छोड़ने के लिए मजबूर कर दिया। हमारी पूरी जीवनशैली का रातोंरात नामोनिशान गायब हो गया।

९



Then they beat and threatened us till eventually everyone was forced to sell and abandon the land of their forefathers. They had the support of the authorities. Our whole way of living vanished overnight.





शहर में वे पैसे मुश्किल से थोड़े दिन चले। हमारे पास रोज़ी-रोटी का कोई साधन नहीं बचा था। हम सब किराये पर एक कमरे के मकान में रहने लगे। अपनी बेखौफ़ जिंदगी और उस खुले माहौल की हमें बहुत याद आती थी।



The money hardly lasted in the city. We had no means of livelihood anymore. We were all cramped into a tiny rented room. How we missed our carefree lives, the open spaces.





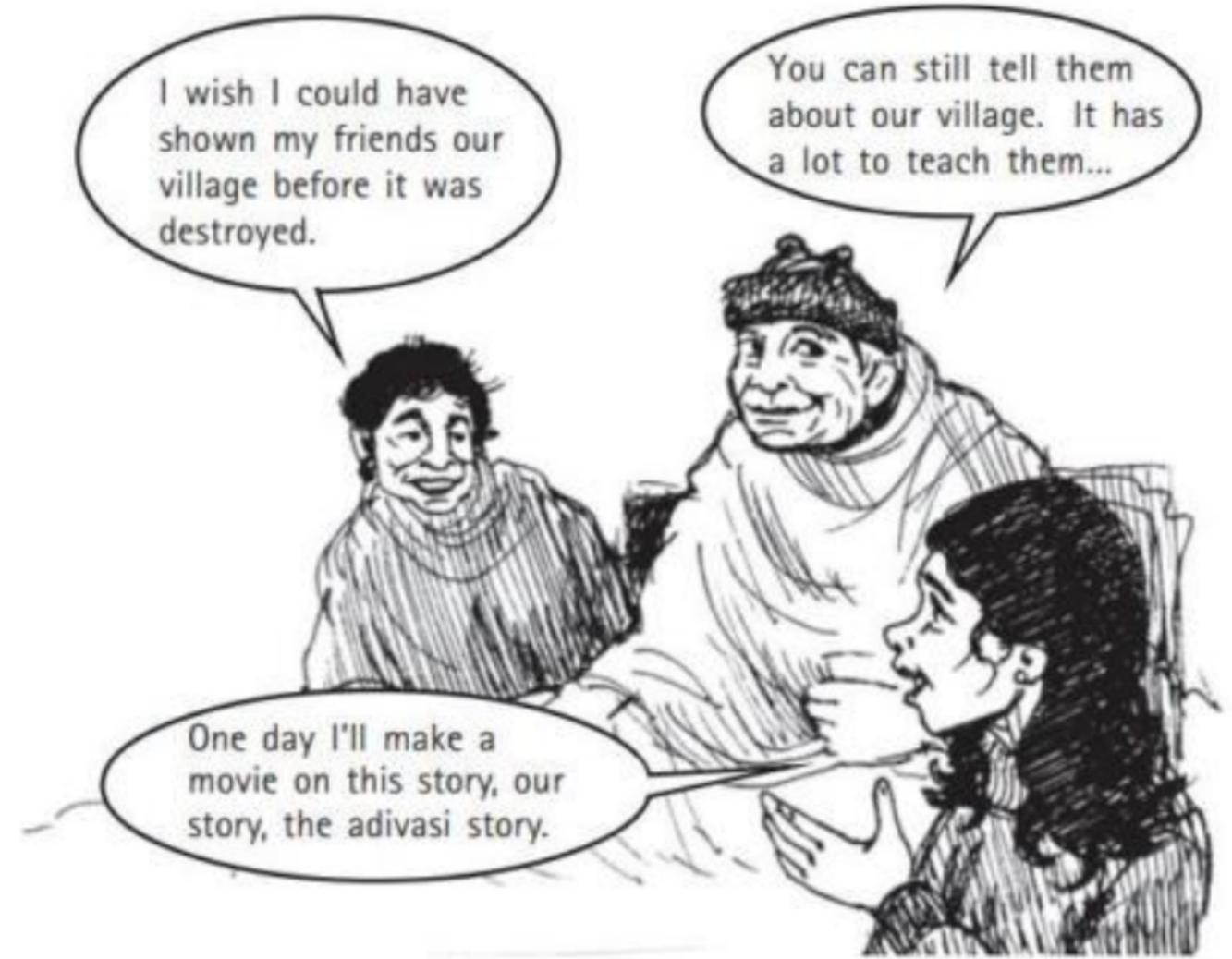
कुछ साल बाद तुम्हारे पिताजी को दिल्ली में नौकरी मिल गई और हम यहाँ चले आए। व बड़ कठिनाई भरे दिन थे...। इसीलिए तुम दोनों को भी हम कई साल तक स्कूल नहीं भेज पाए।



After a few years your father got a job in Delhi and we all moved here. Those were very difficult times... That is why both of you did not go to school for several years.

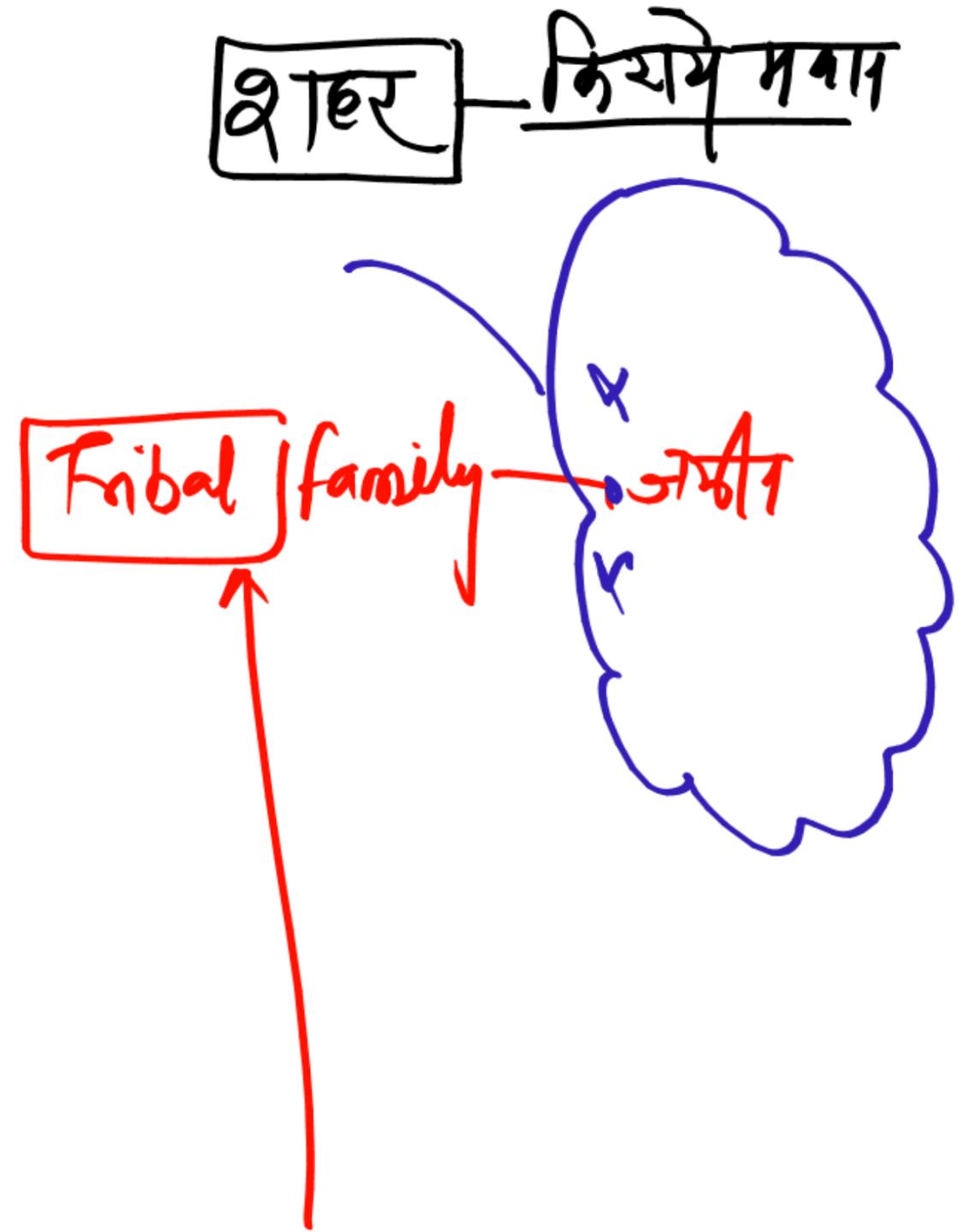




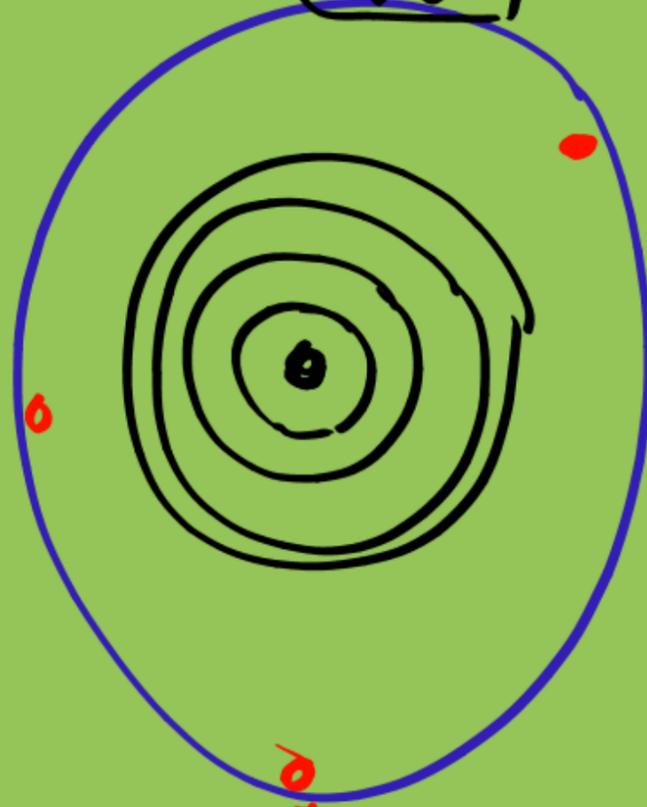
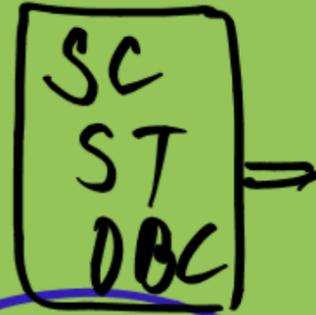


अभी आपने पढ़ा कि किस तरह दादू को उड़ीसा का अपना गाँव छोड़ना पड़ा। दादू की कहानी हमारे देश के लाखों आदिवासियों की कहानी से मिलती-जुलती है। इस समुदाय के हाशियाकरण के बारे में आप इस अध्याय में और विस्तार से पढ़ेंगे।

You just read about how Dadu was forced to leave his village in Odisha. Dadu's story is similar to the lives of millions of Adivasis in India. You will read more about the marginalisation of this community in this chapter.



संघाली ✓



गाँव

शहर



मुख्यधारा

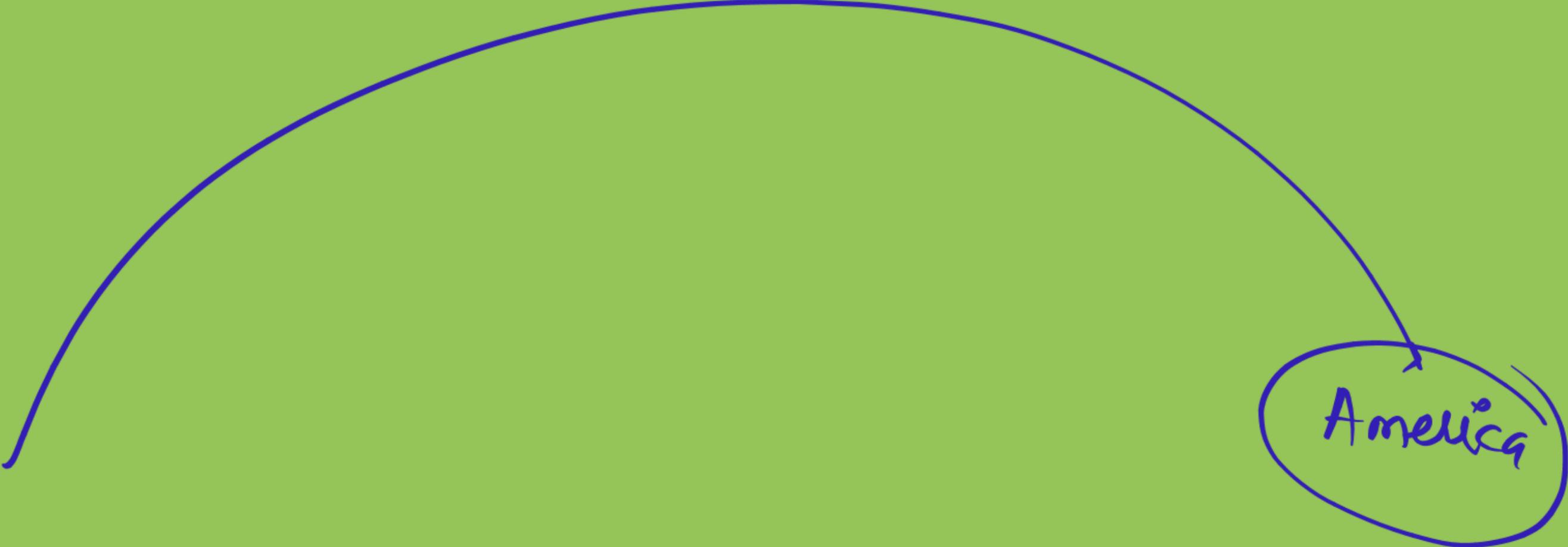


हॉलिये - Marginalised Section

ऐसा समुदाय जो समाज की मुख्यधारा का भाग नहीं है

Community That is not part of Main stream of Society





America

आदिवासी कौन लोग हैं?

आदिवासी शब्द का मतलब होता है 'मूल निवासी'। ये ऐसे समुदाय हैं जो जंगलों के साथ जीते आए हैं और आज भी उसी तरह जी रहे हैं। भारत की लगभग 8 प्रतिशत आबादी आदिवासियों की है। देश के बहुत सारे महत्वपूर्ण खनन एवं औद्योगिक क्षेत्र आदिवासी इलाकों में हैं। जमशेदपुर, राउरकेला, बोकारो और भिलाई का नाम आपने सुना होगा।

Minerals

Who are Adivasis?

Adivasis – the term literally means 'original inhabitants' – are communities who lived, and often continue to live, in close association with forests. Around 8 per cent of India's population is Adivasi and many of India's most important mining and industrial centres are located in Adivasi areas – Jamshedpur, Rourkela, Bokaro and Bhilai.

आदिवासियों की सारी आबादी एक जैसी नहीं है। भारत में 500 से ज्यादा तरह के आदिवासी समूह हैं। छत्तीसगढ़, झारखंड, मध्य प्रदेश, उड़ीसा, गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान, आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल तथा उत्तर-पूर्व के अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिज़ोरम, नागालैंड एवं त्रिपुरा आदि राज्यों में आदिवासियों की संख्या काफी ज्यादा है। अकेले उड़ीसा में ही 60 से ज्यादा अलग-अलग जनजातीय समूह रहते हैं। आदिवासी समाज औरों से बिल्कुल अलग दिखाई देते हैं क्योंकि उनके भीतर ऊँच-नीच का फ़र्क बहुत कम होता है। इसी वजह से ये समुदाय जाति-वर्ण पर आधारित समुदायों या राजाओं के शासन में रहने वाले समुदायों से बिल्कुल अलग होते हैं।

among others. Adivasis are not a homogeneous population: there are over 500 different Adivasi groups in India. Adivasis are particularly numerous in states like Chhattisgarh, Jharkhand, Madhya Pradesh, Odisha, Gujarat, Maharashtra, Rajasthan, Andhra Pradesh, West Bengal and in the north-eastern states of Arunachal Pradesh, Assam, Manipur, Meghalaya, Mizoram, Nagaland and Tripura. A state like Odisha is home to more than 60 different tribal groups. Adivasi societies are also most distinctive because there is often very little hierarchy among them. This makes them radically different from communities organised around principles of *jati-varna* (caste) or those that were ruled by kings.

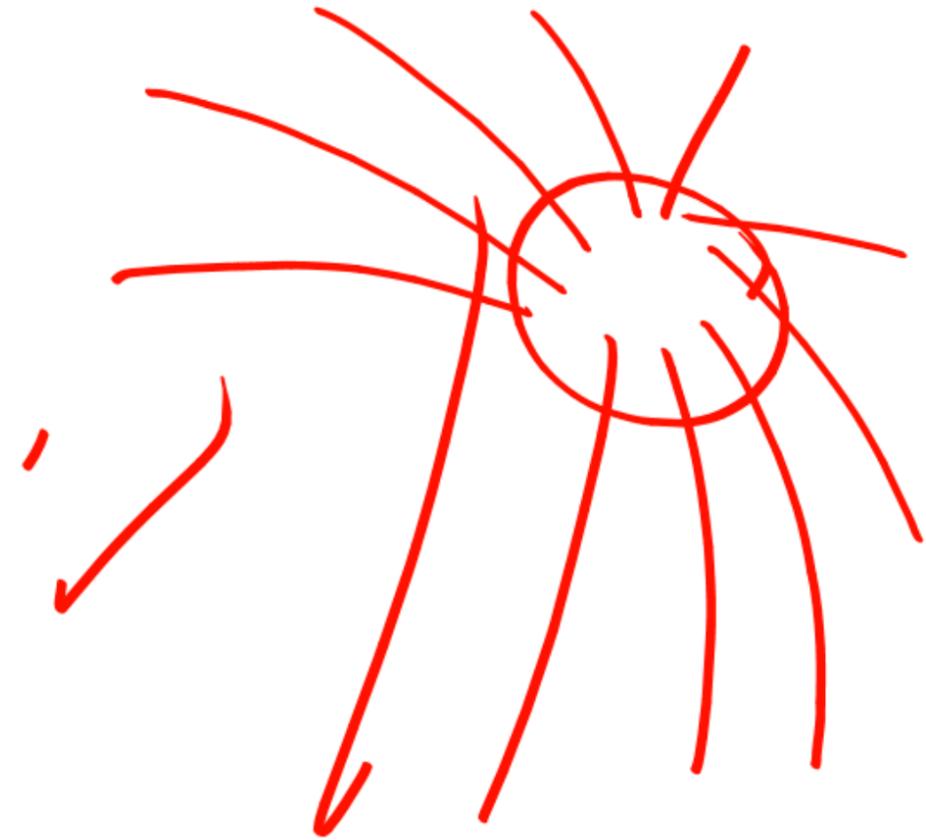
↓
Caste

आदिवासियों के बहुत सारे जनजातीय धर्म होते हैं। उनके धर्म इस्लाम, हिंदु, ईसाई आदि धर्मों से बिल्कुल अलग हैं। वे अकसर अपने पुरखों की, गाँव और प्रकृति की उपासना करते हैं। प्रकृति से जुड़ी आत्माओं में पर्वत, नदी, पशु आदि की आत्माएँ हैं। ये विभिन्न स्थानों से जुड़ी होती हैं और इनका वहीं निवास माना जाता है। ग्राम आत्माओं की

Adivasis practise a range of tribal religions that are different from Islam, Hinduism and Christianity. These often involve the worship of ancestors, village and nature spirits, the last associated with and residing in various sites in the landscape – ‘mountain-spirits’, ‘river-spirits’, ‘animal-spirits’, etc. The

अक्सर गाँव की सीमा के भीतर निर्धारित पवित्र लता-कुंजों में पूजा की जाती है जबकि गुरुखों की उपासना घर में ही की जाती है। आदिवासी अपने आस-पास के बौद्ध और ईसाई आदि धर्मों व शाक्त, वैष्णव, भक्ति आदि पंथों से भी प्रभावित होते रहे हैं। लेकिन यह भी सच है कि आदिवासियों के धर्मों का आस-पास के साम्राज्यों में प्रचलित प्रभुत्वशाली धर्मों पर भी असर पड़ता रहा है। उड़ीसा का जगन्नाथ पंथ

village spirits are often worshipped at specific sacred groves within the village boundary while the ancestral ones are usually worshipped at home. Additionally, Adivasis have always been influenced by different surrounding religions like Shakta, Buddhist, Vaishnav, Bhakti and Christianity. Simultaneously, Adivasi religions themselves have influenced dominant religions of the empires around them,



कम से कम तीन कारण बताइए कि विभिन्न समूह हाशिये पर क्यों चले जाते हैं।

दादू को उड़ीसा का अपना गांव क्यों छोड़ना पड़ा?

Explain at least three different reasons why groups may be marginalised.

Why was Dadu forced to leave his village in Odisha?

आदिवासियों को जनजाति भी कहा जाता है।

शायद आपने अनुसूचित जनजाति शब्द सुना होगा। सरकारी दस्तावेजों में आदिवासियों के लिए इसी शब्द का इस्तेमाल किया जाता है। आदिवासी समुदायों की एक सरकारी सूची भी बनाई गई है। अनुसूचित जनजातियों को कई बार अनुसूचित जातियों के साथ मिलाकर भी देखा जाता है।

Tribals are also referred to as Adivasis.

You may have heard the term Scheduled Tribes. Scheduled Tribes is the term used for Adivasis used by the Indian government in various official documents. There is an official list of tribes. Scheduled Tribes are often grouped together with Scheduled Castes in the category Scheduled Castes and Scheduled Tribes.

आपके शहर या गाँव में कौन से समूह हाशिये पर हैं? चर्चा करें।

क्या आप अपने राज्य के किसी जनजातीय समुदाय का नाम बता सकते हैं।

वह समुदाय कौन सी भाषा बोलता है?
क्या वे जंगलों के आसपास रहते हैं? क्या वे काम की तलाश में दूसरे इलाकों में जाते हैं?

In your own city or village, who would you think are the marginalised groups? Discuss.

Can you name some Adivasi communities that live in your state?

What languages do they speak?

Do they live close to the forest?

Do they migrate to other regions looking for work?

और बंगाल व असम की शक्ति एवं तांत्रिक परंपराएँ इसी के उदाहरण हैं। उन्नीसवीं सदी में बहुत सारे आदिवासियों ने ईसाई धर्म अपनाया जो आधुनिक आदिवासी इतिहास में एक महत्वपूर्ण धर्म बन गया है।

for example, the Jagannath cult of Odisha and Shakti and Tantric traditions in Bengal and Assam. During the nineteenth century, substantial numbers of Adivasis converted to Christianity, which has emerged as a very important religion in modern Adivasi history.

Bengal

शक्ति





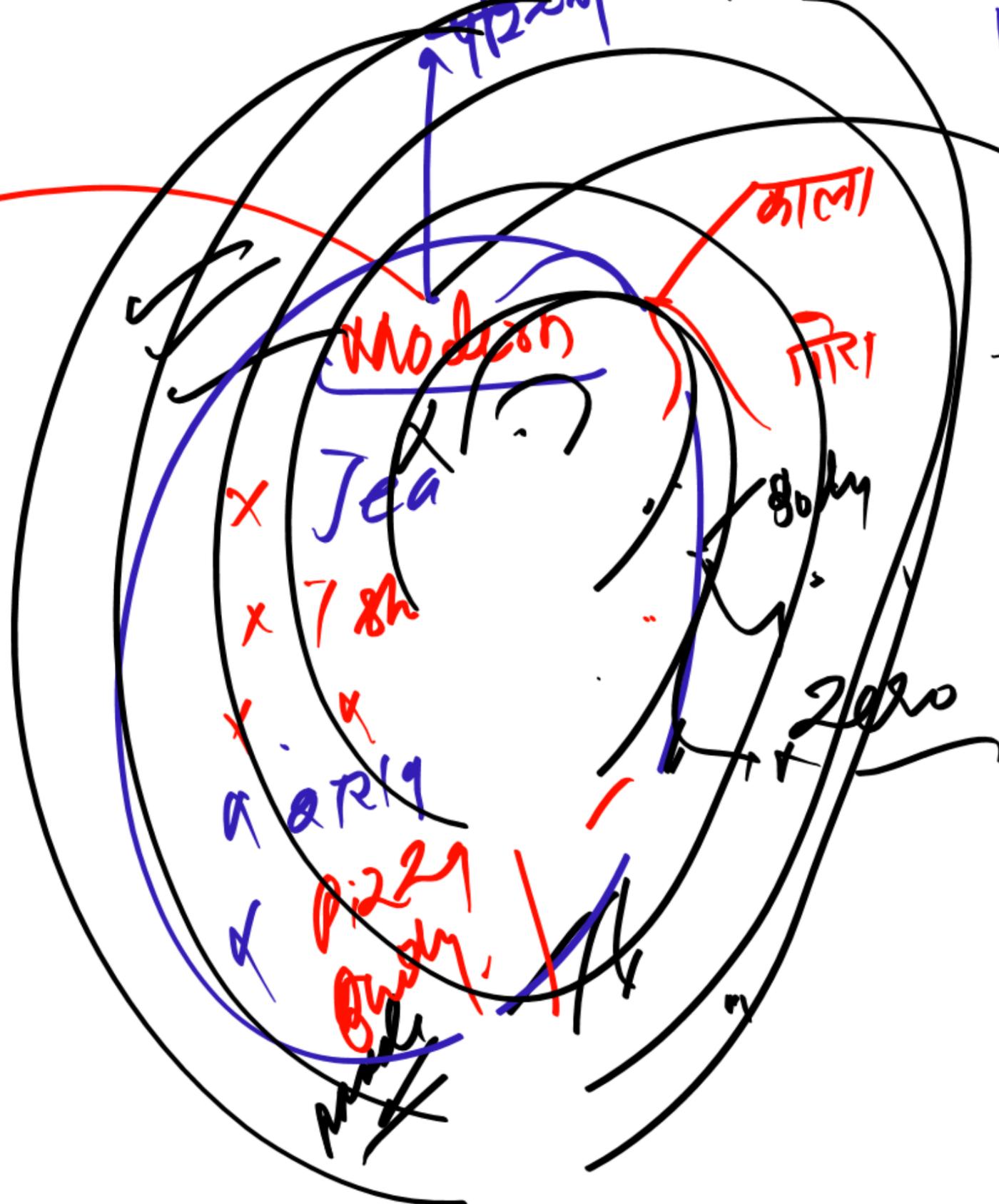
ये परंपरागत पोशाकों में सजे-धजे जनजातीय समुदायों की तस्वीरें हैं। आमतौर पर आदिवासियों को इन्हीं रूपों में पेश किया जाता है। इसके आधार पर हमें यह गलतफ़हमी हो जाती है कि आदिवासी 'रंग-बिरंगे' और 'पिछड़े' लोग होते हैं।

The above two images of tribal communities in their traditional costumes are often the only ways in which Adivasi communities are represented. This then leads us to think of them as being 'exotic' and 'backward'.

Root

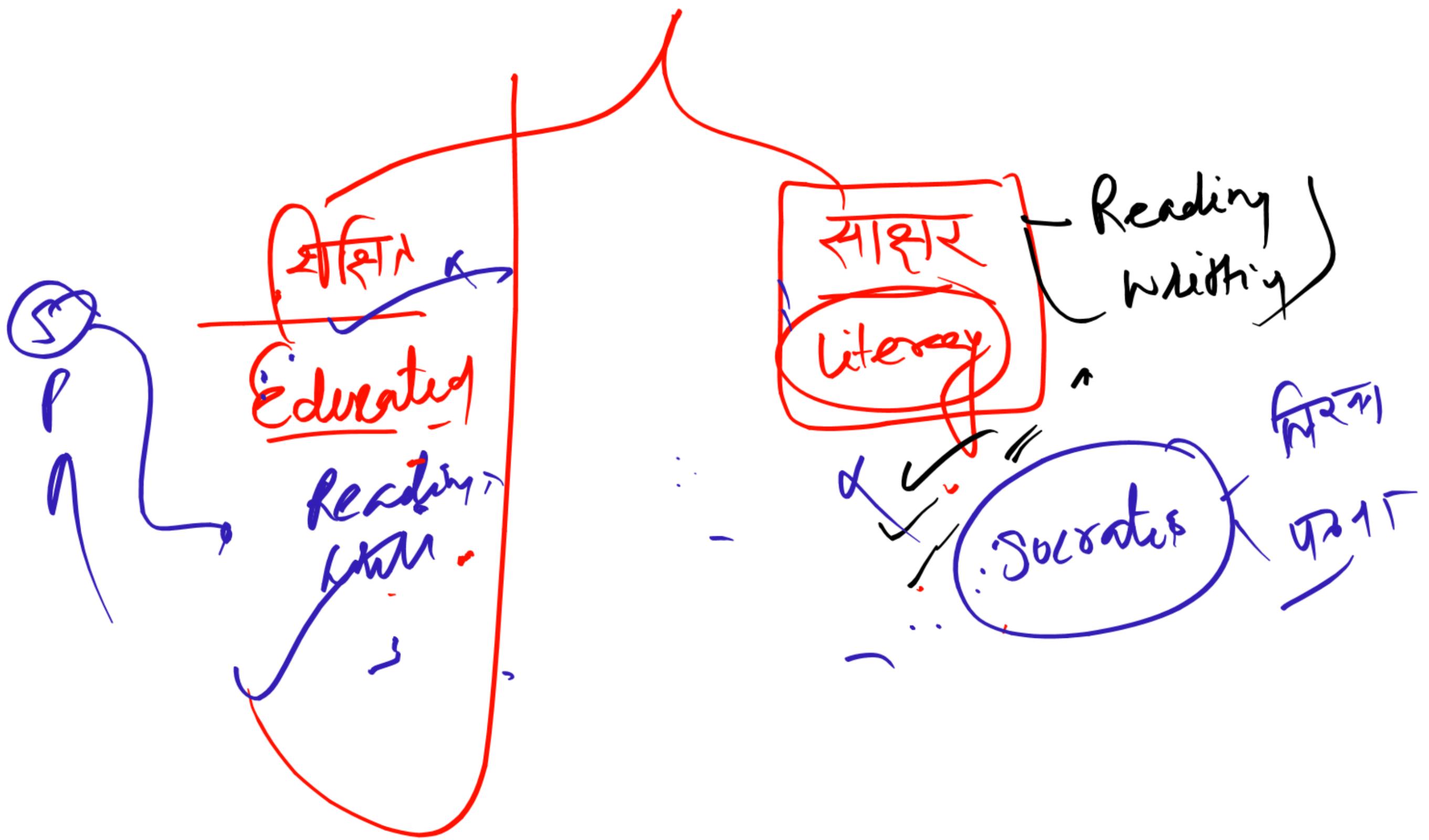
प्राचीन

X
✓
Tradition
(प्राचीन
विचार)



Post-modern

गोला - प्राचीन
 काला - गोरा
 Min ending
 गोर व



आदिवासियों की अपनी भाषाएँ रही हैं (उनमें से ज्यादातर संस्कृत से बिल्कुल अलग और संभवतः उतनी ही पुरानी हैं)। इन भाषाओं ने बांग्ला जैसी 'मुख्यधारा' की भारतीय भाषाओं को गहरे तौर पर प्रभावित किया है। इनमें संथाली बोलने वालों की संख्या सबसे ज्यादा है। उनकी अपनी पत्र-पत्रिकाएँ निकलती हैं। इंटरनेट पर भी उनकी पत्रिकाएँ मौजूद हैं।

आदिवासी

संथाली

संस्कृत

जगर

Adivasis have their own languages (most of them radically different from and possibly as old as Sanskrit), which have often deeply influenced the formation of 'mainstream' Indian languages, like Bengali. Santhali has the largest number of speakers and has a significant body of publications including magazines on the internet or in e-zines.

आदिवासी और प्रचलित छवियाँ

हमारे देश में आदिवासियों को एक खास तरह से पेश किया जाता रहा है। स्कूल के उत्सवों, सरकारी कार्यक्रमों या किताबों व फ़िल्मों में उन्हें सदा एक रूप में ही पेश किया जाता है। वे रंग-बिरंगे कपड़े पहने, सिर पर मुकुट लगाए और हमेशा नाचते-गाते दिखाई देते हैं। इसके अलावा हम उनकी ज़िंदगी की सच्चाइयों के बारे में बहुत कम जानते हैं। इसीलिए

Adivasis and Stereotyping

In India, we usually 'showcase' Adivasi communities in particular ways. Thus, during school functions or other official events or in books and movies, Adivasis are invariably portrayed in very stereotypical ways – in colourful costumes, headgear and through their dancing. Besides this, we seem to know very little about the realities

बहुत सारे लोग इस गलतफ़हमी का शिकार हो जाते हैं कि उनका जीवन बहुत आकर्षक, पुराने किस्म का और पिछड़ा हुआ है। आदिवासियों पर यह आरोप भी लगाया जाता है कि वे आगे नहीं बढ़ना चाहते। बहुत सारे लोग पहले ही मान लेते हैं कि वे बदलाव या नए विचारों से दूर रहना चाहते हैं। कक्षा 6 की किताब में आपने पढ़ा था कि खास समुदायों को बनी-बनाई छवियों में देखते चले जाने की वजह से इस तरह के समुदायों के साथ अक्सर कितना भेदभाव होने लगता है।

of their lives. This often wrongly leads to people believing that they are exotic, primitive and backward. Often Adivasis are blamed for their lack of advancement as they are believed to be resistant to change or new ideas. You will remember that you read in Class VI book how stereotyping particular communities can lead to people discriminating against such groups.



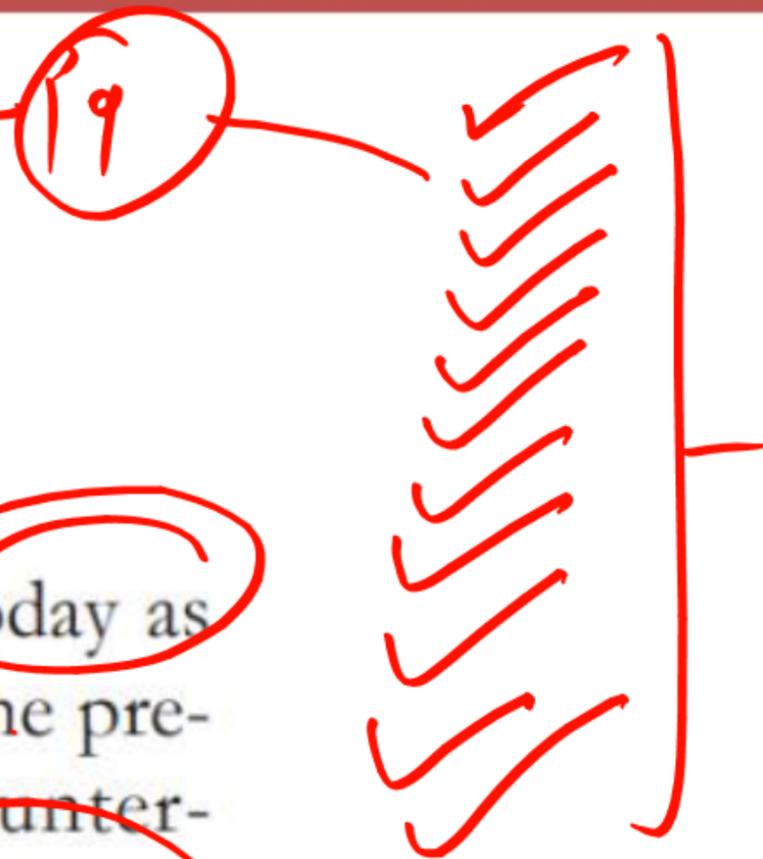
आखिर तक हमारे देश का बड़ा हिस्सा जंगलों से ढँका हुआ था। और कम से कम उन्नीसवीं सदी के मध्य तक तो इन विशाल भूखंडों का आदिवासियों के पास ज़बरदस्त ज्ञान था। इन इलाकों में उनकी गहरी पैठ थी। उनका जंगलों पर पूरा नियंत्रण भी था। इसीलिए आदिवासी समुदाय बड़ी-बड़ी रियासतों और रजवाड़ों के अधीन नहीं रहे। बल्कि बहुत सारे राज्य वन संसाधनों के लिए आदिवासियों पर निर्भर रहते थे।

air and water. Forests covered the major part of our country till the nineteenth century and the Adivasis had a deep knowledge of, access to, as well as control over most of these vast tracts at least till the middle of the nineteenth century. This meant that they were not ruled by large states and empires. Instead, often empires heavily depended on Adivasis for the crucial access to forest resources.



यह तस्वीर आदिवासियों की प्रचलित छवि से बिल्कुल अलग है। आज उन्हें हाशियाई और शक्तिहीन ~~समुदाय~~ के रूप में देखा जाता है। औपनिवेशिक शासन से पहले आदिवासी समुदाय शिकार और चीजें बीनकर आजीविका चलाते थे। वे एक जगह ठहर कर कम रहते थे।

This is radically contrary to our image of Adivasis today as somewhat marginal and powerless communities. In the pre-colonial world, they were traditionally ranged hunter-gatherers and nomads and lived by shifting agriculture and



वे स्थानांतरित खेती के साथ-साथ लंबे समय तक एक स्थान पर भी खेती करते थे। हालाँकि ये परंपराएँ अभी भी कायम हैं, लेकिन पिछले 200 सालों में आए आर्थिक बदलावों, वन नीतियों और राज्य व निजी उद्योगों के राजनीतिक दबाव की वजह से इन लोगों को बागानों, निर्माण स्थलों, उद्योगों और घरों में नौकरी करने के लिए ढकेला जा रहा है। इतिहास में पहली बार ऐसा हो रहा है कि आज उनका वन क्षेत्रों पर कोई नियंत्रण नहीं है और न ही उन तक सीधी पहुँच है।

also cultivating in one place. Although these remain, for the past 200 years Adivasis have been increasingly forced – through economic changes, forest policies and political force applied by the State and private industry – to migrate to lives as workers in plantations, at construction sites, in industries and as domestic workers. For the first time in history, they do not control or have much direct access to the forest territories.

माओवादी

आज के भारत में कौन सी धातुएँ महत्वपूर्ण हैं? क्यों? वे धातुएँ कहाँ से हासिल होती हैं? क्या वहाँ आदिवासियों की आबादी है?

ऐसे पाँच उत्पाद बताइए जो जंगल से मिलते हैं और जिनका आप घर में इस्तेमाल करते हैं।

वन भूमि पर निम्नलिखित माँगें किन लोगों से की जा रही हैं?

- मकानों और रेलवे के निर्माण के लिए इमारती लकड़ी
- खनन के लिए वन भूमि
- गैर-जनजातीय लोगों द्वारा कृषि के लिए वनभूमि का उपयोग
- वन्यजीव अभयारण्यों के रूप में सरकार द्वारा आरक्षित ज़मीन

इन माँगों से जनजातीय समुदायों पर किस तरह असर पड़ता है?

What metals are important in present-day India? Why? Where do they come from? Are there Adivasi populations there?

List five products that you use at home that come from the forest.

By whom were the following demands being made on forest land?

- timber for construction of houses and railways
- forest land for mining
- forest land for agriculture by non-tribal people
- reserved by government as wildlife parks

In what ways would this affect tribal people?

झारखंड और आसपास के इलाकों के आदिवासी 1830 के दशक से ही बहुत बड़ी संख्या में भारत और दुनिया के अन्य इलाकों – मॉरिशस, कैरीबियन और यहाँ तक कि ऑस्ट्रेलिया में जाते रहे हैं। भारत का चाय उद्योग असम में उनके श्रम के बूते ही अपने पैरों पर खड़ा हो पाया है। आज अकेले असम में 70 लाख आदिवासी हैं। इस विस्थापन की कहानी भीषण कठिनाइयों, यातना, विरह और मौत की कहानी रही है। उन्नीसवीं सदी में ही इन पलायनों के कारण 5 लाख आदिवासी मौत के मुँह में जा चुके थे। नीचे दिया गया गीत आदिवासियों की आकांक्षाओं और असम में उनके वास्तविक हालात की बानगी पेश करता है।

आओ मिनी, असम चलें
हमारे देश में तो बहुत कष्ट हैं
असम की धरती पर मिनी
हरियाली से भरे चाय के बागान हैं...
सरदार कहता है काम, काम
बाबू कहता है उन्हें पकड़ो और इधर लाओ
साहब कहता है मैं तुम्हारी खाल उधेड़ दूँगा
हे जादूराम, तुमने हमें असम भेजकर बड़ा छल किया है।

स्रोत- बसु, एस. झारखंड मूवमेंट : ऐथनीसिटी कल्चर एंड साइलेंस

इस कविता में क्या बताने का प्रयास
किया जा रहा है?

From the 1830s onwards, Adivasis from Jharkhand and adjoining areas moved in very large numbers to various plantations in India and the world - Mauritius, the Caribbean and even Australia. India's tea industry became possible with their labour in Assam. Today, there are 70 lakh Adivasis in Assam alone. The story of this migration is full of extreme hardship, torture, heartbreak and death. For example, in the nineteenth century alone five lakh Adivasis had perished in these migrations. The song below captures the hopes of the migrants and the reality they faced in Assam.

Come Mini, let's go to Assam

Our country has so much suffering

The country of Assam, oh Mini

Has tea gardens full of greenery...

The Sardar says work, work

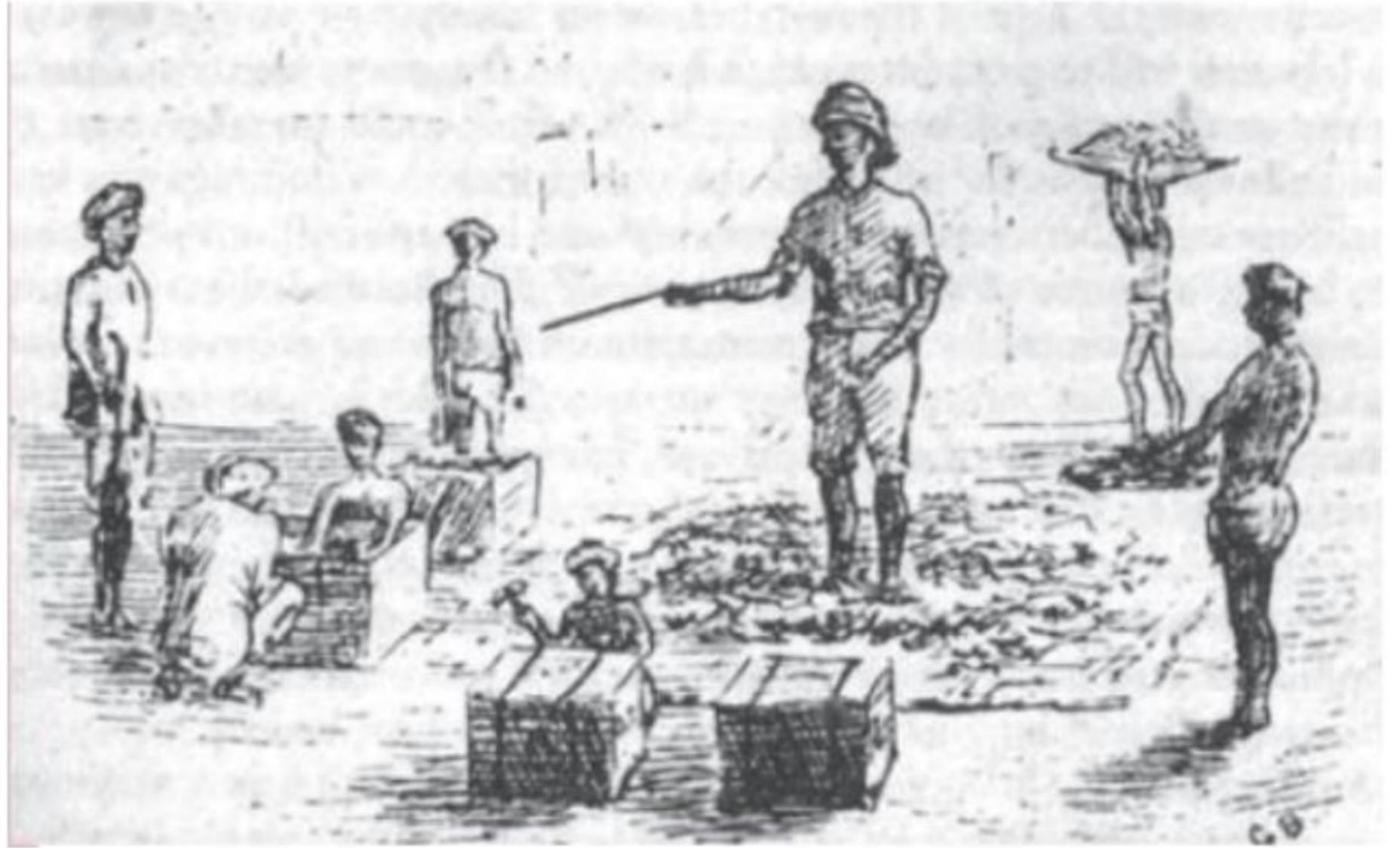
The Babu says catch and bring them in

The Saheb says I'll take off the skin of your back

Hey Jaduram, you deceived us by sending us to Assam .

Source: Basu, S. Jharkhand Movement: Ethnicity and Culture of Silence

What do you think this poem
is trying to convey?



यह फ़ोटो उड़ीसा के कालाहाँडी जिले में स्थित न्यामगिरी पहाड़ी का है। यह डोंगरिया कोंड नामक आदिवासी समुदाय का इलाका है। न्यामगिरी इस समुदाय का पवित्र पर्वत है। एक बड़ी एल्यूमीनियम कंपनी यहाँ खान और शोधक संयंत्र (रिफ़ाइनरी) लगाना चाहती है। यह योजना इस आदिवासी समुदाय को विस्थापित कर देगी। इस समुदाय के लोगों ने इस प्रस्तावित योजना का जमकर विरोध किया है। पर्यावरणवादी भी उनका समर्थन कर रहे हैं। सर्वोच्च न्यायालय में कंपनी के खिलाफ़ मुकदमा भी चल रहा है।

This is a photo of Niyamgiri Hill located in Kalahandi district of Odisha. This area is inhabited by Dongarria Konds, an Adivasi community. Niyamgiri is the sacred mountain of this community. A major aluminium company is planning to set up a mine and a refinery here which will displace this Adivasi community. They have strongly resisted this proposed development and have been joined by environmentalists as well. A case against the company is also pending in the Supreme Court.



इमारती लकड़ी और खेती व उद्योगों के लिए विशाल वनभूमियों को साफ़ किया जा चुका है। आदिवासियों के इलाकों में खनिज पदार्थों और अन्य प्राकृतिक संसाधनों की भी भरमार रही है। इसीलिए इन ज़मीनों को खनन और अन्य विशाल औद्योगिक परियोजनाओं के लिए बार-बार छीना गया है। जनजातीय भूमि पर कब्ज़ा करने के लिए ताकतवर गुटों ने हमेशा मिलकर काम किया है। काफ़ी बार उनकी ज़मीन ज़बरन छीनी गई है और निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन बहुत कम किया गया है। सरकारी आँकड़ों से पता चलता है कि खनन और

Forest lands have been cleared for timber and to get land for agriculture and industry. Adivasis have also lived in areas that are rich in minerals and other natural resources. These are taken over for mining and other large industrial projects. Powerful forces have often colluded to take over tribal land. Much of the time, the land is taken away forcefully and procedures are not followed. According to official figures, more than 50 per cent of persons **displaced** due to mines and mining projects are tribals. Another recent survey report by organisations

खनन परियोजनाओं के कारण विस्थापित होने वालों में 50 प्रतिशत से ज्यादा केवल आदिवासी रह हैं। आदिवासियों के बीच काम करने वाले संगठनों की एक ताजा सर्वेक्षण रिपोर्ट से पता चलता है कि आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, उड़ीसा और झारखंड में जो लोग विस्थापित हुए हैं उनमें से 79 प्रतिशत आदिवासी थे। उनकी बहुत सारी ज़मीन देश भर में बनाए गए सैकड़ों बांधों के जलाशयों में डूब चुकी है। पूर्वोत्तर भारत में उनकी ज़मीन लंबे समय से सशस्त्र बलों और उनके बीच चलने वाले टकरावों से बिंधी है। इसके अलावा भारत में 101 राष्ट्रीय पार्क (40,564 वर्ग किलोमीटर) और 543 वन्य जीव अभयारण्य (1,19,776 वर्ग किलोमीटर) हैं। ये ऐसे इलाके हैं जहाँ मूल रूप से आदिवासी रहा करते थे। अब उन्हें वहाँ से उजाड़ दिया गया है। अगर वे इन जंगलों में रहने की कोशिश करते हैं तो उन्हें घुसपैठिया कहा जाता है।

working among Adivasis shows that 79 per cent of the persons displaced from the states of Andhra Pradesh, Chhattisgarh, Odisha and Jharkhand are tribals. Huge tracts of their lands have also gone under the waters of hundreds of dams that have been built in independent India. In the North east, their lands remain highly militarised. India has 101 national parks covering 40,564 sq km and 543 wildlife sanctuaries covering 1,19,776 sq km. These are areas where tribals originally lived but were evicted from. When they continue to stay in these forests, they are termed encroachers.

may

आदिवासी लगभग 10,000 तरह के पौधों का इस्तेमाल करते हैं। उनमें से लगभग 8,000 प्रजातियाँ दवाइयों के तौर पर; 325 प्रजातियाँ कीटनाशकों के तौर पर; 425 प्रजातियाँ गोंद, रेज़िन और डाई के तौर पर और 550 प्रजातियाँ रेशों के लिए इस्तेमाल की जाती हैं। इनमें से 3500 प्रजातियाँ भोजन के रूप में इस्तेमाल होती हैं। जब आदिवासी समुदाय वन भूमि पर अपना अधिकार खो देते हैं तो यह सारी ज्ञान संपदा भी खत्म हो जाती है।

Adivasis use around 10,000 plant species – approximately 8,000 species are used for medicinal purposes; 325 are used as pesticides; 425 as gums, resins and dyes; 550 as fibres; 3,500 are edible. This entire knowledge system gets wiped out when Adivasis lose their rights over forest lands.

अपनी ज़मीन और जंगलों से बिछड़ने पर आदिवासी समुदाय आजीविका और भोजन के अपने मुख्य स्रोतों से वंचित हो जाते हैं। अपने परंपरागत निवास स्थानों के छिनते जाने की वजह से बहुत सारे आदिवासी काम की तलाश में शहरों का रुख कर रहे हैं। वहाँ उन्हें छोटे-मोटे उद्योगों, इमारतों या निर्माण स्थलों पर बहुत मामूली वेतन वाली नौकरियाँ करनी पड़ती हैं। इस तरह वे गरीबी और लाचारी के जाल में फँसते चले जाते हैं। ग्रामीण इलाकों में 45 प्रतिशत और शहरी इलाकों में 35 प्रतिशत आदिवासी समूह गरीबी की रेखा से नीचे गुज़र बसर करते हैं। इसकी वजह से वे कई तरह के अभावों का शिकार हो जाते हैं। उनके बहुत सारे बच्चे कुपोषण के शिकार रहते हैं। आदिवासियों के बीच साक्षरता भी बहुत कम है।

Losing their lands and access to the forest means that tribals lose their main sources of livelihood and food. Having gradually lost access to their traditional homelands, many Adivasis have migrated to cities in search of work where they are employed for very low wages in local industries or at building or construction sites. They, thus, get caught in a cycle of poverty and deprivation. 45 per cent of tribal groups in rural areas and 35 per cent in urban areas live below the poverty line. This leads to deprivation in other areas. Many tribal children are malnourished. Literacy rates among tribals are also very low.

आपकी राय में यह बात महत्वपूर्ण क्यों है कि आदिवासियों को भी उनके जंगलों और वनभूमि के इस्तेमाल से संबंधित फैसलों में अपनी बात कहने का मौका मिलना चाहिए?

In your opinion, why is it important that Adivasis should have a say in how their forests and forest lands are used?

जब आदिवासियों को उनकी ज़मीन से हटाया जाता है तो उनकी आमदनी के स्रोत के अलावा और भी बहुत कुछ है जो हमेशा के लिए नष्ट हो जाता है। वे अपनी परंपराएँ और रीति-रिवाज़ गँवा देते हैं जो कि उनके जीने और अस्तित्व का स्रोत हैं। उड़ीसा में एक रिफ़ाइनरी परियोजना के कारण विस्थापित हुए गोविंद मारन कहते हैं, “उन्होंने हमारी खेती की ज़मीन छीन ली। बस थोड़े से मकान छोड़ दिए हैं। उन्होंने श्मशान भूमि, मंदिर, कुएँ, तालाब, सब कुछ अपने कब्ज़े में ले लिया है। अब हम कैसे जिएँगे?”

When Adivasis are displaced from their lands, they lose much more than a source of income. They lose their traditions and customs – a way of living and being. “They took our farming land. They left some houses. They took the cremation ground, temple, well and pond. How will we survive?” says Gobindha Maran, who was displaced due to a refinery project in Odisha.

जैसा कि आप पढ़ चुके हैं, आदिवासी जीवन के आर्थिक और सामाजिक आयाम एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। एक दायरे में होने वाला विनाश दूसरे दायरे को भी प्रभावित करता है। उनके संसाधनों के लिए होने वाली छीनाझपटी और विस्थापन की यह प्रक्रिया अक्सर दर्दनाक और हिंसक होती है।

As you have read, there exists an interconnectedness between the economic and social dimensions of tribal life. Destruction in one sphere naturally impacts the other. Often this process of dispossession and displacement can be painful and violent.

अल्पसंख्यक और हाशियाकरण

इकाई 1 में आपने पढ़ा था कि मौलिक अधिकारों के जरिए हमारा संविधान धार्मिक और भाषायी अल्पसंख्यकों को सुरक्षा प्रदान करता है। आपकी राय में इन अल्पसंख्यक समुदायों को ये सुरक्षाएँ क्यों मुहैया कराई जा रही हैं? अल्पसंख्यक शब्द आमतौर पर ऐसे समुदायों के लिए इस्तेमाल किया जाता है जो संख्या की दृष्टि से बाकी आबादी के मुकाबले बहुत कम हैं। लेकिन यह अवधारणा केवल संख्या के सवाल तक ही सीमित

Minorities and Marginalisation

In Unit 1, you read that the Constitution provides safeguards to religious and linguistic minorities as part of our Fundamental Rights. Why do you think these minority groups have been provided these safeguards? The term minority is most commonly used to refer to communities that are numerically small in relation to the rest of the population. However, it is a concept that goes well beyond

मूलिक अधिकारों
 धार्मिक और भाषायी
 अल्पसंख्यकों को सुरक्षा प्रदान करता है।
 → बहु

अल्पसंख्यक

Minorities

100 = छावारी 50% से कम अल्पसंख्यक

Minority

देश

Country

आधार Base

भाषा
धर्म

6 धर्म

- 1 मुस्लिम
- 2 ख्रिस्त
- 3 जैन
- 4 बौद्ध
- 5 पारसी
- 6 जैना

नहीं है। इसमें न केवल सत्ता और संसाधनों तक पहुँच जैसे मुद्दे जुड़े हुए हैं, बल्कि इसके सामाजिक व सांस्कृतिक आयाम भी होते हैं। जैसा कि आपने इकाई 1 में पढ़ा था, भारतीय संविधान इस बात को मानता है कि बहुसंख्यक समुदाय की संस्कृति समाज और सरकार की अभिव्यक्ति को प्रभावित कर सकती है। ऐसी सूरत में छोटा आकार घाटे की बात साबित हो सकती है और संभव है कि छोटे समुदाय हाशिये पर खिसकते चले जाएँ। ऐसे में अल्पसंख्यक समुदायों को बहुसंख्यक समुदाय के सांस्कृतिक

numbers. It encompasses issues of power, access to resources and has social and cultural dimensions. As you read in Unit 1, the Indian Constitution recognised that the culture of the majority influences the way in which society and government might express themselves. In such cases, size can be a disadvantage and lead to the marginalisation of the relatively smaller communities. Thus, safeguards are needed

वर्चस्व की आशंका से बचाने के लिए सुरक्षात्मक प्रावधानों की ज़रूरत पड़ती है। ये प्रावधान उन्हें भेदभाव और नुकसान की आशंका से भी बचाते हैं। कुछ खास परिस्थितियों में छोटे समुदाय अपने जीवन, संपत्ति और कुशलक्षेम के बारे में असुरक्षित भी महसूस कर सकते हैं। असुरक्षा की यह भावना तब और बढ़ सकती है जब अल्पसंख्यक और बहुसंख्यक समुदायों के संबंध तनावपूर्ण होते हैं। संविधान में इन सुरक्षाओं की व्यवस्था

to protect minority communities against the possibility of being culturally dominated by the majority. They also protect them against any discrimination and disadvantage that they may face. Given certain conditions, communities that are small in number relative to the rest of society may feel insecure about their lives, assets and well-being. This sense of insecurity may get accentuated if the relations between the minority and majority communities are fraught. The Constitution provides these safeguards because

इसलिए की गई है कि हमारा संविधान भारत की सांस्कृतिक विविधता की सुरक्षा तथा समानता व न्याय की स्थापना के प्रति संकल्पबद्ध है। जैसा कि आप अध्याय 5 में पढ़ चुके हैं, कानून को कायम रखने और मौलिक अधिकारों को साकार करने में न्यायपालिका एक अहम भूमिका निभाती है। अगर किसी भी नागरिक को ऐसा लगता है कि उसके मौलिक अधिकारों का हनन हो रहा है तो वह अदालत में जा सकता है। आइए अब इन प्रावधानों की रोशनी में मुसलमानों के संदर्भ में हाशियाकरण को समझें।

अल्पसंख्यकों के लिए हमें सुरक्षात्मक प्रावधानों की क्यों ज़रूरत है?

it is committed to protecting India's cultural diversity and promoting equality as well as justice. As you have already read in Chapter 5, the judiciary plays a crucial role in upholding the law and enforcing Fundamental Rights. Every citizen of India can approach the courts if they believe that their Fundamental Rights have been violated. Now let us understand marginalisation in the context of the Muslim community.

Why do we need safeguards for minorities?

मुसलमान और हाशियाकरण

2011 की जनगणना के अनुसार भारत की आबादी में मुसलमानों की संख्या 14.2 प्रतिशत है। उन्हें हाशियाई समुदाय माना जाता है क्योंकि दूसरे समुदायों के मुकाबले उन्हें सामाजिक-आर्थिक विकास के उतने लाभ नहीं मिले हैं। विभिन्न स्रोतों से ली गई निम्नलिखित तीनों सारणियों से पता चलता है कि मूलभूत सुविधाओं, साक्षरता और सरकारी नौकरियों के हिसाब से मुस्लिम समुदाय की स्थिति कैसी है। नीचे दी गई तीनों सारणियों को पढ़ कर बताइए कि वे मुसलिम समुदाय की सामाजिक-आर्थिक स्थिति के बारे में क्या बताती हैं?



Social
Economic

Muslims and Marginalisation

According to 2011 census, Muslims are 14.2 per cent of India's population and are considered to be a marginalised community in India today because in comparison to other communities, they have over the years been deprived of the benefits of socio-economic development. The data in the three tables below, derived from different sources, indicate the situation of the Muslim community with regard to basic amenities, literacy and public employment. Read the tables below. What do you think these tables tell us about the socio-economic status of the Muslim community?

14.2

1. मूलभूत सुविधाएँ, 2008-2009

धार्मिक समुदाय

हिंदू

मुस्लिम

ईसाई

सिख

पक्का घर

65.4

63.8

69.3

91.3

बिजली

75.2

67.5

86.2

96.0

नल का पानी

43.7

35.8

48.0

49.3

स्रोत- इंडिया ह्यूमन डेवलपमेंट रिपोर्ट 2011: टूर्वर्ड सोशल इनक्लूज़न, ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस फ़ॉर इंस्टीट्यूट ऑफ़ एप्लाइड मैनपावर रिसर्च, योजना आयोग, भारत सरकार, नई दिल्ली, पृ. 346, 389, 392.

इनमें से कौन-से समुदायों को मूलभूत सुविधाएँ सबसे ज़्यादा और सबसे कम उपलब्ध हैं?

सुविधि

I. Access to Basic Amenities, 2008–2009

Religious Community	<i>Pucca</i> House	Electricity	Tap Water
Hindu	65.4	75.2	43.7
Muslim	63.8	67.5	35.8
Christian	69.3	86.2	48.0
Sikh	91.3	96.0	49.3

Source: India Human Development Report 2011: Towards Social Inclusion, Oxford University Press for Institute of Applied Manpower Research, Planning Commission, Government of India, New Delhi, p. 346, 389, 392.

Which of these communities have the most and the least access to basic amenities?

2. विभिन्न धर्मों में साक्षरता दर, 2011 (प्रतिशत)

कुल	हिंदू	मुस्लिम	ईसाई	सिख	बौद्ध	जैन
74 %	63	57	74	67	71	86

स्त्रोत: भारत की जनगणना, 2011

साक्षरता

(जैन) साक्षरता

किन समुदायों की साक्षरता दर सबसे ज्यादा और सबसे कम है?

II. Literacy Rate by Religion, 2011 (percentages)

All	Hindus	Muslims	Christians	Sikhs	Buddhists	Jains
74	63	57	74	67	71	86

Source: Census of India 2011

Which of these communities have the highest and the lowest literacy rate?

3. सरकारी नौकरियों में मुसलमानों का प्रतिशत ✍

आबादी	भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस)	भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस)	भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस)	केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्रीय इकाइयाँ (पीएसयू)	राज्य स्तरीय (पीएसयू)	बैंक एवं रिजर्व बैंक
13.5	3	4	1.8	3.3	10.8	2.2

स्रोत- भारत में मुसलिम समुदाय की सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक स्थिति, प्रधानमंत्री की उच्च स्तरीय समिति की रिपोर्ट, 2006

2006

ये आँकड़े क्या बताते हैं?

III. Public Employment of Muslims (percentages)

Population	IAS	IPS	IFS	Central Public Sector Unit (PSU)	State PSU	Banks & RBI
13.5	3	4	1.8	3.3	10.8	2.2

Source: Social, Economic and Educational Status of the Muslim Community of India, Prime Minister's High Level Committee Report 2006

What do these figures convey?

इस बात को ध्यान में रखते हुए कि मुसलमान विकास के विभिन्न संकेतकों पर पिछड़े हुए हैं, सरकार ने 2005 में एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया। न्यायमूर्ति राजिन्दर सच्चर की अध्यक्षता में बनाई गई इस समिति ने भारत में मुसलम समुदाय की सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक स्थिति का जायजा लिया। रिपोर्ट में इस समुदाय के हाशियाकरण का विस्तार से अध्ययन किया गया है। समिति की रिपोर्ट से पता चलता है कि

Recognising that Muslims in India were lagging behind in terms of various development indicators, the government set up a high-level committee in 2005. Chaired by Justice Rajindar Sachar, the committee examined the social, economic and educational status of the Muslim community in India. The report discusses in detail the marginalisation of this community.

विभिन्न सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक संकेतकों के हिसाब से मुसलमानों की स्थिति अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति जैसे अन्य हाशियाई समुदायों से मिलती-जुलती है। उदाहरण के लिए, 7-16 साल की उम्र के मुसलिम बच्चे अन्य सामाजिक-धार्मिक समुदायों के बच्चों के मुकाबले औसतन काफ़ी कम साल तक ही स्कूली शिक्षा ले पाते हैं (पृष्ठ 56)।



It suggests that on a range of social, economic and educational indicators the situation of the Muslim community is comparable to that of other marginalised communities like Scheduled Castes and Scheduled Tribes. For example, according to the Report the average years of schooling for Muslim children between the ages of 7–16 is much lower than that of other socio-religious communities (page 56).

मुसलमानों के आर्थिक व सामाजिक हाशियाकरण के कई पहलू हैं। दूसरे अल्पसंख्यकों की तरह मुसलमानों के भी कई रीति-रिवाज और व्यवहार मुख्यधारा के मुकाबले काफ़ी अलग हैं। सब नहीं, लेकिन कुछ मुसलमानों में बुर्का, लंबी दाढ़ी और फ़ैज़ टोपी का चलन दिखाई

Economic and social marginalisation experienced by Muslims has other dimensions as well. Like other minorities, Muslim customs and practices are sometimes quite distinct from what is seen as the mainstream. Some – not

सच्चर समिति रिपोर्ट में दिए गए शिक्षा संबंधी आँकड़ों को पढ़िए-

- 6-14 साल के उम्र के 25 प्रतिशत बच्चे या तो कभी स्कूल नहीं गए या स्कूल छोड़ चुके हैं। किसी भी सामाजिक-धार्मिक समुदाय के मुकाबले यह संख्या बहुत बड़ी है (पृष्ठ 58)।

क्या आपको लगता है कि इस स्थिति से निपटने के लिए विशेष प्रावधान करना ज़रूरी है?

Read the data related to schooling provided by the Sachar Committee Report:

- 25 per cent of Muslim children in the 6-14 year age group have either never been enrolled in school or have dropped out. This percentage is much higher than that of any other socio-religious community (page 58).

Do you think special measures are required to address this situation?

मुसलिम महिलाएँ भारत में महिला आंदोलन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रही हैं।

Muslim women are an important part of the women's movement in India.



देता है। बहुत सारे लोग सभी मुसलमानों को इन्हीं निशानियों से पहचानने की कोशिश करते हैं। इसी कारण अकसर उन्हें अलग नज़र से देखा जाता है। कुछ लोग मानते हैं कि वे 'हम बाकी लोगों' जैसे नहीं हैं। अकसर यही सोच उनके साथ गलत व्यवहार करने और भेदभाव का बहाना बन जाती है। मुसलमानों के इसी सामाजिक हाशियाकरण के कारण कुछ स्थितियों में वे जिन इलाकों में पहले से रहते आए हैं, वहाँ से निकलने लगे हैं जिससे अकसर उनका 'घेटोआइज़ेशन' (ghettoisation)

all – Muslims may wear a *burqa*, sport a long beard, wear a *fez*, and these become ways to identify all Muslims. Because of this, they tend to be identified differently and some people think they are not like the 'rest of us'. Often this becomes an excuse to treat them unfairly, and discriminate against them. This social marginalisation of Muslims in some instances has led to them migrating from places where they have lived, often leading to the **ghettoisation** of the community. Sometimes, this prejudice leads to hatred and violence.

होने लगता है। कभी-कभी यही पूर्वाग्रह घृणा और हिंसा को जन्म देता है।

इस अध्याय के उपरोक्त भाग में हमने देखा कि मुसलमानों के आर्थिक और सामाजिक हाशियाकरण के बीच गहरा संबंध है। इसी अध्याय में पीछे आपने आदिवासियों की स्थिति के बारे में भी पढ़ा। सातवीं कक्षा में आप भारत में औरतों की असमान स्थिति के बारे में पढ़ चुके हैं। इन सारे समूहों के अनुभवों से पता चलता है कि हाशियाकरण एक जटिल परिघटना है जिससे निपटने के लिए कई तरह की रणनीतियों, साधनों और सुरक्षाओं की ज़रूरत है। इसका मतलब है कि संविधान द्वारा परिभाषित अधिकारों और इन अधिकारों को साकार करने वाले कानूनों व नीतियों की रक्षा में हम सभी की बराबर ज़िम्मेदारी बनती है। इनके बिना न तो हम उस विविधता की रक्षा कर पाएँगे जो हमारे देश को एक अनूठी छटा देती है और न ही समानता के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता को साकार कर पाएँगे।

In the above section of this chapter, we saw how in the case of the Muslim community there is a link between economic and social marginalisation. Earlier in this chapter, you read about the situation of Adivasis. In your Class VII book, you read about the unequal status of women in India. The experiences of all these groups point to the fact that marginalisation is a complex phenomenon requiring a variety of strategies, measures and safeguards to redress this situation. All of us have a stake in protecting the rights defined in the Constitution and the laws and policies framed to realise these rights. Without these, we will never be able to protect the diversity that makes our country unique nor realise the State's commitment to promote equality for all.

निष्कर्ष

इस अध्याय में हमने यह समझने का प्रयास किया है कि हाशियाई समुदाय होने का क्या मतलब होता है। हमने विभिन्न हाशियाई समुदायों के अनुभवों के ज़रिए इस बात को समझने का प्रयास किया है। इन समुदायों के हाशिये पर रह जाने के अलग-अलग कारण हैं। प्रत्येक समुदाय इसको अलग-अलग तरह से महसूस भी करता है। हमने यह

Conclusion

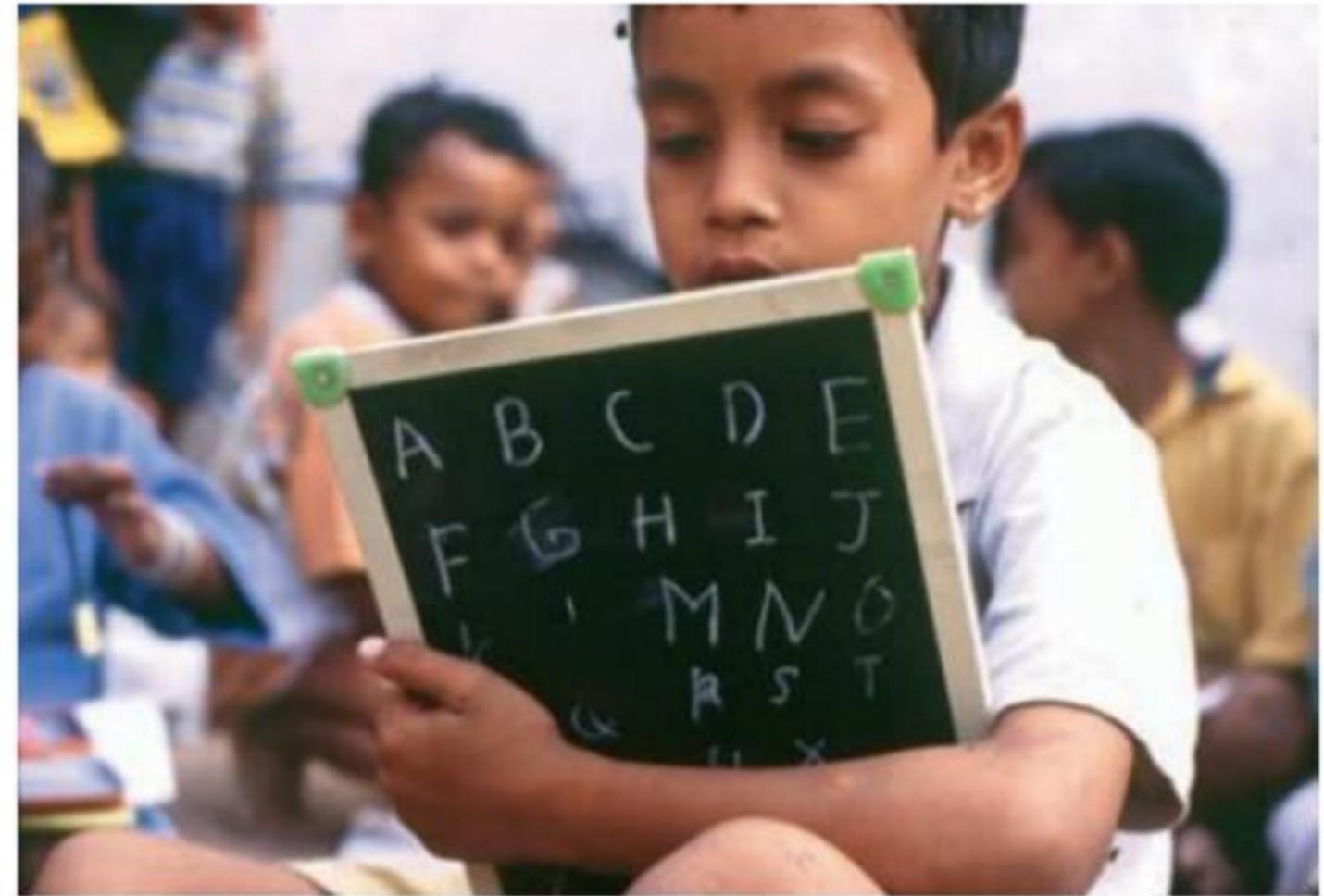
In this chapter, we have tried to understand what it means to be a marginalised community. We have tried to look at this through the experiences of different marginalised communities. There are different reasons for each of these communities being marginalised. Each experiences marginalisation in different

भी देखा है कि हाशियाकरण का संबंध अभाव, पूर्वाग्रह और शक्तिहीनता के अहसास से जुड़ा हुआ है। हमारे देश में कई और भी हाशियाई समुदाय हैं। दलित भी इसी तरह का एक समुदाय है। इस समुदाय के बारे में हम अगले अध्याय में विस्तार से पढ़ेंगे। हाशियाकरण से कमजोर सामाजिक हैसियत ही नहीं पैदा होती, बल्कि शिक्षा व अन्य संसाधनों तक पहुँच भी बराबर नहीं मिल पाती है।

ways. We have also seen that marginalisation is linked to experiencing disadvantage, prejudice and powerlessness. In India there are several more marginalised communities, like Dalits, of whom you will read more in the next chapter. Marginalisation results in having a low social status and not having equal access to education and other resources.

सच्चर समिति रिपोर्ट ने मुसलमानों के बारे में प्रचलित दूसरी गलतफ़हमियों को भी उजागर कर दिया है। आमतौर पर माना जाता है कि मुसलमान अपने बच्चों को सिर्फ़ मदरसों में भेजना चाहते हैं। आँकड़ों से पता चलता है कि केवल 4 प्रतिशत मुसलमान बच्चे मदरसों में जाते हैं। मुसलमानों के 66 प्रतिशत बच्चे सरकारी और 30 प्रतिशत बच्चे निजी स्कूलों में पढ़ रहे हैं (पृष्ठ 75)।

The Sachar Committee Report also debunked other prevalent myths about Muslims. It is commonly believed that the Muslims prefer to send their children to Madarasas. The figures show that only 4 per cent of Muslim children are in Madarasas, where as 66 per cent attend government schools and 30 per cent private schools. (page 75)



इसके बावजूद हाशियाई समुदायों का जीवन भी बदला जा सकता है और बदलता है। कोई भी हमेशा एक ही तरह से हाशिये पर नहीं रहता। अगर हम हाशियाकरण के इन उदाहरणों पर ध्यान दें तो पाएँगे कि इन दोनों समुदायों के पास भी संघर्ष और प्रतिरोध का एक लंबा इतिहास रहा है। हाशियाई समुदाय अपनी सांस्कृतिक विशिष्टता बनाए रखना चाहते हैं और साथ ही अधिकारों, विकास और अन्य अवसरों में बराबर का हिस्सा चाहते हैं। अगले अध्याय में आप जानेंगे कि विभिन्न समूहों ने इस हाशियाकरण का सामना किस तरह किया है।

Yet, the lives of marginalised people can and do change. Thus, no one is marginalised all the time in exactly the same way. If we go back to the two examples of marginalisation we have discussed, we will see that each of these groups has a long history of struggle and resistance. Marginalised communities want to maintain their cultural distinctiveness while having access to rights, development and other opportunities. In the next chapter, we will read about how different groups have confronted marginalisation.

अभ्यास

1. 'हाशियाकरण' शब्द से आप क्या समझते हैं? अपने शब्दों में दो-तीन वाक्य लिखिए।
2. आदिवासी लगातार हाशिये पर क्यों खिसकते जा रहे हैं? दो कारण बताइए।
3. आप अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा के लिए संवैधानिक सुरक्षाओं को क्यों महत्वपूर्ण मानते हैं? इसका एक कारण बताइए।
4. अल्पसंख्यक और हाशियाकरण वाले हिस्से को दोबारा पढ़िए। अल्पसंख्यक शब्द से आप क्या समझते हैं?
5. आप एक बहस में हिस्सा ले रहे हैं जहाँ आपको इस बयान के समर्थन में तर्क देने हैं कि 'मुसलमान एक हाशियाई समुदाय है।' इस अध्याय में दी गई जानकारियों के आधार पर दो तर्क पेश कीजिए।
6. कल्पना कीजिए कि आप टेलीविजन पर 26 जनवरी की परेड देख रहे हैं। आपकी एक दोस्त आपके नज़दीक बैठी है। वह अचानक कहती है, "इन आदिवासियों को तो देखो, कितने रंग-बिरंगे हैं। लगता है सदा नाचते ही रहते हैं।" उसकी बात सुन कर आप भारत में आदिवासियों के जीवन से संबंधित क्या बातें उसको बताएँगे? उनमें से तीन बातें लिखें।
7. चित्रकथा-पट्ट में आपने देखा कि हेलेन होप आदिवासियों की कहानी पर एक फिल्म बनाना चाहती है। क्या आप आदिवासियों के बारे में एक कहानी बना कर उसकी मदद कर सकते हैं?
8. क्या आप इस बात से सहमत हैं कि आर्थिक हाशियाकरण और सामाजिक हाशियाकरण आपस में जुड़े हुए हैं? क्यों?

Exercises

1. Write in your own words two or more sentences of what you understand by the word 'marginalisation'.
2. List two reasons why Adivasis are becoming increasingly marginalised.
3. Write one reason why you think the Constitution's safeguards to protect minority communities are very important?
4. Re-read the section on Minorities and Marginalisation. What do you understand by the term minority?
5. You are participating in a debate where you have to provide reasons to support the following statement: 'Muslims are a marginalised community'. Using the data provided in this chapter, list two reasons that you would give.
6. Imagine that you are watching the Republic Day parade on TV with a friend and she remarks, "Look at these tribals. They look so exotic. And they seem to be dancing all the time". List three things that you would tell her about the lives of Adivasis in India.
7. In the storyboard you read about how Helen hopes to make a movie on the Adivasi story. Can you help her by developing a short story on Adivasis?
8. Would you agree with the statement that economic marginalisation and social marginalisation are interlinked? Why?



ऊँच-नीच- व्यक्तियों या चीजों की एक क्रमिक व्यवस्था। आमतौर पर ऊँच-नीच की सीढ़ी के सबसे निचले पायदान पर वे लोग होते हैं जिनके पास सबसे कम ताकत है। जाति व्यवस्था ऊँच-नीच की व्यवस्था है जिसमें दलितों को सबसे नीचे माना जाता है।

घेदोआइजेशन- यह शब्द आमतौर पर ऐसे इलाके या बस्ती के लिए इस्तेमाल होता है जिसमें मुख्य रूप से एक ही समुदाय के लोग रहते हैं। घेदोआइजेशन इस स्थिति तक पहुँचने वाली प्रक्रिया को कहा जाता है। यह प्रक्रिया विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक कारणों पर आधारित हो सकती है। भय या दुश्मनी भी किसी समुदाय को एकजुट होने के लिए मजबूर कर सकती है क्योंकि अपने समुदाय के लोगों के बीच रहने पर उन्हें ज्यादा राहत मिलती है। इस समुदाय के पास आमतौर पर वहाँ से निकल पाने के ज्यादा विकल्प नहीं होते हैं जिसके कारण वह शेष समाज से कटता चला जाता है।

मुख्यधारा- कायदे से किसी नदी या जलधारा के मुख्य बहाव को मुख्यधारा कहा जाता है। इस अध्याय में यह शब्द एक ऐसे सांस्कृतिक संदर्भ के लिए इस्तेमाल हुआ है जिसमें वर्चस्वशाली समुदाय के रीति-रिवाजों और प्रचलनों को ही सही माना जाता है। इसी क्रम में उन लोगों या समुदायों को भी मुख्यधारा कहा जाता है जिन्हें समाज का केंद्र माना जा रहा है, जैसे बहुधा शक्तिशाली या वर्चस्वशाली समूह।

विस्थापित- ऐसे लोग जिन्हें बाँध, खनन आदि विशाल विकास परियोजनाओं की जरूरतों को पूरा करने के लिए जबरन उनके घर-बार से उजाड़ दिया जाता है।

कुपोषित- ऐसा व्यक्ति जिसे पर्याप्त भोजन या पोषण नहीं मिलता।



GLOSSARY

Displaced: In the context of this chapter this refers to people who are forced or compelled to move from their homes for big development projects including dams, mining etc.

Hierarchy: A graded system or arrangement of persons or things. Usually persons at the bottom of the hierarchy are those who have the least power. The caste system is a hierarchical system and Dalits are considered to be at the lowest end.

Ghettoisation: A ghetto is an area or locality that is populated largely by members of a particular community. Ghettoisation refers to the process that leads to such a situation. This may occur due to various social, cultural and economic reasons. Fear or hostility may also compel a community to group together as they feel more secure living amongst their own. Often a 'ghettoised' community has few options of moving out, which may lead to them becoming alienated from the rest of the society.

Mainstream: Literally this refers to the main current of a river or stream. In this chapter it is used to refer to a cultural context in which the customs and practices that are followed are those of the dominant community. In connection with this, mainstream is also used to refer to those people or communities that are considered to be at the centre of a society, i.e. often the powerful or dominant group.

Militarised: An area where the presence of the armed forces is considerable.

Malnourished: A person who does not get adequate nutrition or food.

धन्यवाद